RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, सोमवार

09.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 137

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

घर में विश्व कप जीतकर भारत ने रचा नया कीर्तिमान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

भारत : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत केवल एक ट्रॉफी जीतने भर की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारतीय क्रिकेट की उस निरंतर प्रगति और आत्मविश्वास का प्रतीक है जिसने पिछले कुछ वर्षों में विश्व क्रिकेट में भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। इस जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गया और साथ ही अपने ही देश में टी20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इस फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन हर विभाग में शानदार रहा। बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और रणनीति तक, हर स्तर पर भारत ने न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिस आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ शुरुआत की, उसने मैच की दिशा शुरुआती ओवरों में ही तय कर दी। सलामी बल्लेबाज संजू सेमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने पावर प्ले में 92 रन जोड़कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। इस साझेदारी ने यह साबित कर दिया कि भारतीय बल्लेबाज दबाव के बड़े मुकाबलों में भी आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट खेलने से नहीं घबराते।

अभिषेक शर्मा ने 52 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी, जबकि संजू सेमसन ने 89 रन बनाकर टीम की पारी को मजबूती दी। उनके बाद ईशान किशन ने 54 रन बनाकर स्कोर को और ऊंचाई दी। अंत में शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रनों की विस्फोटक पारी ने भारत के स्कोर को 255 के पार पहुंचा दिया। यह स्कोर किसी भी फाइनल मुकाबले में विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पर्याप्त था।

भारतीय बल्लेबाजों की यह पारी आधुनिक टी20 क्रिकेट की झलक

भी दिखाती है, जिसमें आक्रामकता, जोखिम और आत्मविश्वास का संतुलन दिखाई देता है। भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद सशक्त नजर आती है। यही कारण है कि बड़े मंच पर भी खिलाड़ी बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलते हैं।

गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। हालांकि टिम साइफर्ट ने 52 रन बनाकर संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाए रखी। जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी, जबकि अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर मध्यक्रम को झकझोर दिया। हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने भी महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम की जीत को सुनिश्चित किया।

भारतीय टीम की इस जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव की रणनीति भी सराहनीय रही। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों का उपयोग बेहद संतुलित तरीके से किया और सही समय पर गेंदबाजों को बदलकर विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। यह दिखाता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा के दम पर नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद मजबूत हो चुकी है।

यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि यह घरेलू मैदान पर मिली है। अपने देश में विश्व कप जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है और भारतीय टीम ने इसे सच कर दिखाया। इस जीत ने करोड़ों भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को गर्व का अवसर दिया है।

कुल मिलाकर, टी20 विश्व कप 2026 की यह जीत भारतीय क्रिकेट के सुनहरे भविष्य की ओर संकेत करती है। युवा खिलाड़ियों की ऊर्जा, अनुभवी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन और मजबूत टीम भावना ने मिलकर भारत को विश्व क्रिकेट की शीर्ष शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है। यदि यही संतुलन और समर्पण आगे भी बना रहा, तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट और भी कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

कुवैत में ईरान ने की ड्रोन की बौछार, एयरपोर्ट का फ्यूल डिपो आग की लपटों में घिरा

एजेंसी, कुवैत सिटी

अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। ईरान तेल अवीव के अमेरिका के सहयोगी फारस की खाड़ी देशों पर हमला कर रहा है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई। कुवैत की सरकारी न्यूज एजेंसी के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पॉश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फॉर सीजंस है। यहां से शॉपिंग मॉल्स कुछ फासले पर हैं।

पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक बताया कि बिल्डिंग के कई गार्ड्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इजराइली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। हैरानी की बात है कि इजराइल ने हिजबुल्लाह के नियंत्रण वाले दक्षिणी इलाकों के बजाय मध्य बेरूत के बीचों-बीच हमला किया। इससे पहले फारस की खाड़ी के देशों ने रविवार सुबह हवाई हमलों और इंटरसेप्शन की रिपोर्ट दी है। कुवैती आर्मी ने कहा कि स्थानीय समय पर रविवार को ईरान ने कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फ्यूल स्टोरेज पर ड्रोन की बौछार कर दी। कुवैती आसमान में ड्रोन को इंटरसेप्ट किया जा रहा है। ड्रोन मलबे से कुछ नागरिक ढांचों को नुकसान हो रहा है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा है कि उसने ड्रोन हमलों का सामना किया और रविवार सुबह कम से कम 21 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। बहरीन में किंग फहद कॉज-वे के पार मीना सलमान बंदरगाह पर एक जगह पर आग लग गई है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने इसे ईरानी हमला बताया है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति के पद का सम्मान करना चाहिएः मायावती

एजेंसी, लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के बीच विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए। इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है और इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे के लेकर जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। उन्होंने आगे लिखा है कि इसी प्रकार पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। उन्होंने लिखा, 'संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले, यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी मांग है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑल वूमेन बाइक रैली को झंडी दिखाई

एजेंसी, नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कनॉट प्लेस में ऑल वूमेन बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर साहस, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र के नव-निर्माण तक हर क्षेत्र में प्रेरक और सशक्त नेतृत्व प्रदान किया है। आज देश की महिलाएं पंचायत से लेकर संसद तक निर्णायक भूमिका निभाते हुए विकसित भारत के संकल्प को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने सभी देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाए दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि ऑल वूमेन बाइक रैली में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रही सैकड़ों महिलाओं ने एक साथ सड़कों पर उतरकर यह सशक्त संदेश दिया कि नारी शक्ति ही विकसित भारत की असली प्रेरक शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह उत्साह और आत्मविश्वास उस बदलते भारत की झलक है, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इस मौके पर सांसद बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, प्रियंका चतुर्वेदी, स्वाति मालीवाल एवं नई दिल्ली नगर पालिका परिषद् के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आवंटियों को सौंपीं जीपीआरए आवास की चाबी

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सरोजिनी नगर स्थित जनरल पूल रेजिडेंशियल अकॉमोडेशन (जीपीआरए) टाइप-5 क्वार्टर्स का दौरा किया और महिला आवंटियों को आवास की चाबियां सौंपकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने महिला आवंटियों और निर्माण कार्य में लगी श्रमजीवी बहनों से संवाद किया तथा उनके अनुभव और सुझाव भी सुने। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने आवासीय परिसर का निरीक्षण भी किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्तिः अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति है। आज भारत 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' के युग में प्रवेश कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के जेंडर बजट में किया गया 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन इसी लक्ष्य को समर्पित है। सरकार 'होल ऑफ गर्वनमेंट' के विजन के साथ-शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार करके महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही है ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज भारत की आधी आबादी के संकल्प, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है, जो 'विकसित भारत' की आधारशिला हैं। महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरे जीवन के एप्रोच को अपनाया है। इस यात्रा की शुरुआत बेटी के जन्म और उसकी शिक्षा से होती है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज की मानसिकता को बदला है । बेटियों के जन्म को अब उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक और गणित विषयों में बेटियों की 43 प्रतिशत भागीदारी के साथ भारत पूरी दुनिया में सबसे आगे है। मंगल मिशन की सफलता में, हमारी महिला वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय भूमिका रही है । इस बार के बजट में, देशभर के सभी जिलों में महिला हॉस्टल की स्थापना से, हमारी बेटियों के लिए नई राहें खुलने जा रही हैं । सरकार द्वारा पोषण अभियान और 'पीएम मातृ वंदना योजना' के अंतर्गत, सुरक्षित मातृत्व से स्वस्थ शिशु जन्म और उसकी देखभाल को सुनिश्चित किया गया है । इसके सुखद परिणाम भी आज देश के सामने हैं। मातृ मृत्यु दर घटकर 97 तक पहुँच गई है। एक स्वस्थ नारी ही एक समर्थ और विकसित राष्ट्र की निर्माता होती है। हम महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं । इसके लिए, हाल ही में, प्रधानमन्त्री द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 'एचपीवी-टीकाकरण' अभियान भी शुरू किया गया है । उन्होंने कहा कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में महिला सुरक्षा के लिए शी बॉक्स पोर्टल की शुरुआत की गई है । ताकि हमारी बहनें पूरे सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्यबल में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। नारी की गरिमा के विरुद्ध अपराध के लिए 'जीरो टोलरेंस पॉलिसी' को अपनाया गया है । पिछले छह वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की सहभागिता 22.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गया है।

तृणमूल कांग्रेस का व्यवहार राष्ट्रपति की गरिमा और पूरे आदिवासी समाज का अपमान : तरुण चुग

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि राष्ट्रपति पद देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस द्वारा इस पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। तरुण चुग ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि यह केवल संवैधानिक पद का अपमान नहीं बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज की गरिमा पर सीधा आघात है। चुग ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घबराहट और राजनीतिक हताशा में लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर और देश का सबसे बड़ा संवैधानिक व गरिमापूर्ण पद है। यह केवल संवैधानिक पद का ही नहीं बल्कि देश के आदिवासी समाज और बेटियों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कैंपेन चलाया गया, कभी प्रभु श्रीराम का विरोध किया कभी सनातन का विरोध, भारतीय सेना के शौर्य का अपमान और अब राष्ट्रपति पद की गरिमा से जुड़ी यह घटना स्पष्ट करती है कि ममता बनर्जी संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान करना भूल चुकी हैं।

मप्र के कटनी में मालगाड़ी के बेपटरी, 24 घंटे बाद भी बहाल नहीं हो पाया रेल यातायात

एजेंसी, कटनी

बिलासपुर रेल खंड पर मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन के पास कोयले से भरी मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरने के बाद से ट्रैक को सुधारने का कार्य जारी है। पिछले 24 घंटे बीतने के बावजूद अभी तक रेल यातायात बहाल नहीं हो सका है। दरअसल, बिलासपुर से कटनी की ओर आ रही मालगाड़ी शनिवार सुबह करीब 11 बजे कटनी रेलवे स्टेशन के पास गायत्री नगर आउटर पर बेपटरी हो गई थी। अचानक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरकर एक तरफ झुक गए और उनमें लदा कोयला ट्रैक पर बिखर गया था। इससे रेल मार्ग पर परिचालन बाधित हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया। डीआरएम सहित रेलवे के वरिष्ठ इंजीनियरों की टीम, जीआरपी और आरपीएफ का बल पहुंचा और प्रारंभिक जांच के बाद एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) को बुलाकर ट्रैक बहाली का कार्य तुरंत शुरू किया गया।

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जेडीयू में हुए शामिल, संजय झा ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को औपचारिक रूप से जनता दल (यूनाइटेड)(जदयू) की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। जदयू में शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने कहा, "मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। बिहार और देश के लिए मेरे पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किया है, उस पर मुझे गर्व है।" इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज्यसभा उम्मीदवार राम नाथ ठाकुर ने कहा कि निशांत कुमार का पार्टी में आना स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि जदयू के कार्यकर्ताओं और आम लोगों की इच्छा थी कि निशांत कुमार पार्टी में आएं और जनता की समस्याएं सुनें। वहीं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और जदयू विधायक रत्नेश सदा ने कहा कि निशांत कुमार बिहार का भविष्य हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। गौरतलब है कि नीतीश कुमार लंबे समय से अपने परिवार को राजनीति से दूर रखते आए हैं। ऐसे में उनके बेटे के राजनीति में प्रवेश को लेकर परिवारवाद के आरोप भी लग सकते हैं।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान के दो चीते राजस्थान पहुंचे, एनटीसीए ने कहा- चीतों की चौबीसों घंटे निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) के चीते केपी-2 और केपी-3 के राजस्थान के बारां जिले में पहुंचने संबंधी मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। तथ्यात्मक स्थिति साफ करते हुए एनटीसीए के अधिकारी ने रविवार को बताया कि केपी-2 को बारां के मांगरोल रेंज में ट्रैक किया गया है, जबकि केपी -3 कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 60–70 किमी की दूरी तय कर बांझ अमली संरक्षण रिज़र्व में पहुंचा है। दोनों चीते पार्वती नदी के दोनों किनारों पर लगभग 6 किमी की दूरी पर हैं। एनटीसीए के अधिकारी ने बताया कि जीपीएस और रेडियो-कॉलर के माध्यम से

दोनों चीतों की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है। इसके लिए अंतर-राज्यीय संयुक्त टीम तैनात है, जिसमें किशनगंज और अंता रेंज से फील्ड टीमें सक्रिय हैं। अधिकारी ने बताया कि परिदृश्य सीमाओं के पार लंबी दूरी तक जाना चीतों का स्वाभाविक क्षेत्रीय व्यवहार है और यह वैज्ञानिक रूप से अच्छी तरह दर्ज है। प्रोजेक्ट चीता कार्ययोजना में कूनो–गांधी सागर मेटापॉपुलेशन परिदृश्य के भीतर अंतर-राज्यीय आवाजाही की संभावना पहले से ही शामिल और अपेक्षित है। यह गतिविधि प्रस्तावित 17,000 वर्ग किमी के कूनो–गांधी सागर अंतर-राज्यीय वन्यजीव कॉरिडोर के महत्व को और मजबूत करती है, जो राजस्थान के सात और मध्य प्रदेश के आठ जिलों में फैला हुआ है। एनटीसीए दोनों राज्यों के वन विभागों के साथ सक्रिय समन्वय में है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अद्यतन जानकारी जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए चीतों की संतानें जो भारत की धरती पर जन्मी हैं, उन्हें राजस्थान की धरती अपनी टेरिटरी के लिए पसंद आ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर देश की नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण और भारत की प्रगति में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और उनके अटूट दृढ़ संकल्प की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी रचनात्मकता, अद्वितीय उत्साह और संकल्प के साथ देश के भविष्य को आकार दे रही हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

भूत सवार होने के शक में युवती को रस्सी से बांधकर झाड़-फूंक कराने ले गए परिजन

पश्चिमी सिंहभूम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी क्षेत्र से अंधविश्वास से जुड़ी एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवती को भूत सवार होने की आशंका जताकर उसके ही परिजनों ने रस्सी से बांध दिया और कथित तौर पर झाड़-फूंक कराने के लिए ओझा के पास ले गए। वे किस ओझा के पास गये,इसकी जानकारी परिजनों ने नहीं दी।घटना शनिवार रात नोवामुंडी क्षेत्र के तोड़े टोपा गांव है। मिली जानकारी के अनुसार गांव निवासी राजू दास की बेटी के व्यवहार में अचानक बदलाव आने की बात परिवार के लोग कह रहे हैं। युवती के भाई और भाभी का दावा है कि वह पिछले कुछ दिनों से असामान्य हरकतें कर रही थी। उनके अनुसार युवती अचानक घर से इधर-उधर भागने लगती थी और अजीब तरह से व्यवहार करती थी। इसी कारण उसे काबू में रखने के लिए कपड़े की रस्सी से उसकी कमर बांध दी गई थी। परिजनों का यह भी कहना है कि कुछ दिन पहले झिकपानी इलाके में एक युवक की मौत हुई थी। उन्हें शक है कि उसी मृत युवक की आत्मा युवती पर सवार हो गई है। इसी डर और अंधविश्वास के चलते परिवार के लोग उसे झाड़-फूंक कराने के लिए ओझा के पास ले जाने की बात कह रहे थे। जब युवती के भाई से इस संबंध में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि बहन के अचानक भागने और अनियंत्रित व्यवहार के कारण उसे रस्सी से बांधना पड़ा। इस घटना के सामने आने के बाद गांव और आसपास के इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कई स्थानीय लोगों का कहना है कि आज के आधुनिक समय में भी ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास की जड़ें गहरी हैं। उनका मानना है कि ऐसी स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय डॉक्टर से इलाज कराना और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह लेना ज्यादा जरूरी होता है।

आदिवासी अस्मिता संस्कृति की बात करने वाले मुख्यमंत्री हेमंत राष्ट्रपति के अपमान पर मौन क्यों : आदित्य साहू

रांची । भारतीय जनता पार्टी(भाजपा)के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने पश्चिम बंगाल में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से संवैधानिक प्रोटोकॉल का अनुपालन नहीं किए जाने,राष्ट्रपति को अपमानित किए जाने की कड़ी निंदा की है। साहू ने शनिवार देर रात प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह अपमान पूरे राष्ट्र का अपमान है,जनजाति समाज के गौरव और प्रतिष्ठा का अपमान है। जनजाति संस्कृति और परंपरा का अपमान है। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राजनीतिक मर्यादाओं को छिन्न भिन्न कर दिया। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा व्यवहार कभी नहीं हुआ। ऐसा लगता है जैसे ममता बनर्जी ने मानसिक संतुलन खो दिया है। साहू ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह भी है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो खुद को आदिवासी समाज का अगुवा मानते हैं एक संथाल समाज की बेटी के अपमान पर मौन साधे बैठे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड का जनजाति समाज इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

महिला दिवस पर बिष्टुपुर चेंबर में महिला सम्मान समारोह आयोजित

पूर्वी सिंहभूम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मानवाधिकार अपराध रोधी संगठन की ओर से रविवार को बिष्टुपुर स्थित चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सिंह ने की, जबकि संचालन अधिवक्ता विनीता मिश्रा और पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों की ओर से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद संगठन की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, पौधा, शॉल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान महिलाओं के योगदान और उनके अधिकारों को लेकर विशेष चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश साह, आदित्यपुर नगर निगम की उप आयुक्त पारुल सिंह, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि, एमएस प्रतियोगिता में लगातार जीत दर्ज करने वाली श्रेया अधर, सदर अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पांडे, दंत चिकित्सक जसवीर कौर, अधिवक्ता और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़ी महिला पत्रकारों ने महिला दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस मौके पर समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए फातिमा शाहीन, गीता सिंह, मनजीत कौर, बी. लक्ष्मी, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, रवि, पुष्पराज और सामाजिक संस्था समर्पण की टीम को प्रशस्ति पत्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अर्चना सिंह ने संगठन की ओर से किए जा रहे सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी और कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है। वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश साह ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूनम देवी, बबली, रितु कौर, ममता भूमिज, महावीर साहू सहित संगठन के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल महोत्सव पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

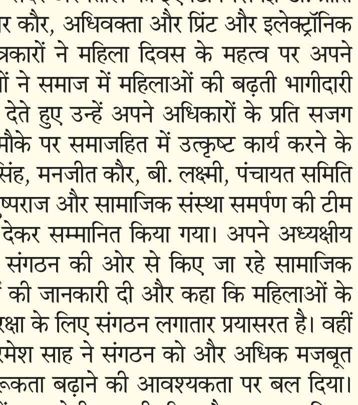

खूंटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देश पर रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर भवन में जिला जल एवं स्वच्छता समिति, जिला समाज कल्याण विभाग एवं जेएसएलपीएस के संयुक्त तत्वावधान जल महोत्सव पखवाड़ा का शुभारंभ उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। उप विकास आयुक्त ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से खूंटी जिले की महिलाओं की ओर से खेल, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे। उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। साथ ही समाज कल्याण विभाग एवं जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाने तथा इन योजनाओं से जुड़कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त ने जल महोत्सव पखवाड़ा के उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि जल महोत्सव पखवाड़ा का आयोजन आठ मार्च से 22 मार्च तक किया जाएगा। भारत सरकार की ओर से इस संबंध में तिथिवार कार्यक्रमों के आयोजन का निर्देश प्राप्त हुआ हैं। सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का तिथिवार सफल आयोजन को लेकर उप विकास आयुक्त की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जल संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया, जल सहिया, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, प्रखंड वॉश समन्वयक सहित अन्य को सम्मानित किया गया। साथ ही जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा इस पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष, जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पारसनाथ महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पारसनाथ महाविद्यालय इसरी बाज़ार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख उषा देवी पूर्व प्रमुख यशोदा देवी जिप सदस्य सुनीता कुमारी मुख्य रूप से उपस्थित थी।महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा अतिथियों का स्वागत बुके देकर किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन आतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वल्लित कर किया गया।महिला प्राध्यापकों द्वारा सभी अतिथियों को शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्वागत संबोधन में उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा ने कहा कि आज का दिन समाज में महिलाओं के योगदान, उनके संघर्ष, उनके अधिकारों और उनकी उपलब्धियों को सम्मान देने का दिन है।

संगोष्ठी में डॉ शशि भूषण, गौतम कुमार सिंह,डॉ उमा पाण्डेय,कुमारी संगीता, डॉ मधु जयसवाल,संगीता कुमारी तथा विद्यार्थी में से आसिफ व सोनिया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी के आल इंडिया राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर एनसीसी की कैडेट् कंचन कुमारी तथा चेन्नई ऑफिसर ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जागृति मिश्र को ट्रॉफी देकर तथा महाविद्यालय की सभी महिला कर्मियों को डायरी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में दिव्या रानी, सपना सिन्हा, मोनी जयसवाल, योगेश प्रसाद,कुबेर प्रसाद बिनोद कुमार अकेला आदि उपस्थित थे वहीं कार्यक्रम का सञ्चालन प्रियंका कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन योगेश प्रसाद ने किया।

पूर्वी सिंहभूम : दस सेकेंड में 48 एशियाई देशों के नाम गिनाकर 10 साल के शौर्य ने किया कमाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

शहर के एक 10 वर्षीय छात्र ने अपनी असाधारण स्मरण शक्ति और प्रतिभा से सभी को चौंका दिया है। इस नन्हे प्रतिभाशाली बच्चे ने मात्र 10 सेकेंड में एशिया के 48 देशों के नाम गिनाकर एक अनोखा रिकॉर्ड बना दिया है। बच्चे की इस अद्भुत क्षमता को देखकर उसके स्कूल के शिक्षक, प्रबंधन और परिवार के लोग बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। अब बच्चे का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। यह होनहार छात्र शौर्या चंदेल जमशेदपुर स्थित जूनियर कार्मल स्कूल का आठवीं क्लास का विद्यार्थी है, और दस वर्ष उम्र है। इतनी कम उम्र में उसकी याददाश्त और आत्मविश्वास को देखकर स्कूल के शिक्षक भी हैरान हैं। बताया जा रहा है कि बच्चे को शुरू से ही सामान्य ज्ञान और देशों के नाम याद करने में विशेष रुचि रही है। नियमित अभ्यास और परिवार के प्रोत्साहन की बदौलत उसने यह अनोखी उपलब्धि हासिल की है। स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर सैरल ने बच्चे की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते हैं। ऐसे में शौर्य ने जो कर दिखाया है, वह पूरे कमाल परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन की भी इच्छा है कि इस उपलब्धि को आधिकारिक रूप से मान्यता मिले और शौर्य का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो। उन्होंने बताया कि बच्चे का नाम पहले ही "इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स" में दर्ज हो चुका है, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। अब अगला लक्ष्य गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराना है, जिसके लिए आवश्यक प्रक्रिया और दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। शौर्य की इस उपलब्धि से न सिर्फ उसके परिवार बल्कि स्कूल और शहर के लोगों में भी खुशी का माहौल है। लोगों का मानना है कि अगर बच्चों को सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो वे कम उम्र में भी बड़े-बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं।

राखामाइंस स्टेशन पर उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव का शुभारंभ, सांसद ने दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम जिले के राखामाइंस रेलवे स्टेशन पर शनिवार को ट्रेन संख्या 18477/18478 पुरी–योगनगरी ऋषिकेश–पुरी उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव की सुविधा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और रेल यात्री मौजूद रहे तथा ट्रेन के नए स्टॉपेज का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। राखामाइंस और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की ओर से लंबे समय से इस ट्रेन के ठहराव की मांग की जा रही थी। अब इस मांग के पूरी होने से स्थानीय लोगों में काफी खुशी देखी गई। लोगों ने सांसद विद्युत वरण महतो और रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सुविधा से क्षेत्र के यात्रियों को दूर-दराज के शहरों तक यात्रा करने में काफी सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर खड़गपुर मंडल की अपर मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) मनीषा गोयल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक निशांत कुमार, मंडल के अन्य रेलवे अधिकारी, डीआरयूसीसी के सदस्य तथा कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि उत्कल एक्सप्रेस के इस ठहराव से राखामाइंस और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अब सीधे पुरी और योगनगरी ऋषिकेश जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक यात्रा करने में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे से लगातार संवाद किया जा रहा है और भविष्य में भी इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। रेलवे अधिकारियों ने भी भरोसा दिलाया कि यात्रियों की सुविधा और बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए रेलवे प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उत्कल एक्सप्रेस के नए ठहराव से अब स्थानीय यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

राकेश रंजन महतो ने उठाया बिजली बिल घोटाले का मामला, पीड़ित उपभोक्ता का कटा कनेक्शन – अंधेरे में जीने को मजबूर परिवार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोल्हान/ चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत खूंटी गांव के निवासी जगबंधु महतो (उपभोक्ता संख्याः KHT12699) को बिजली बिल से संबंधित एक गंभीर और चौंकाने वाली समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पीड़ित ने 6 अक्टूबर 2025 को मुख्य अभियंता, विद्युत मंडल चांडिल के नाम लिखित आवेदन देकर बिजली बिल में सुधार एवं माफी की मांग की थी, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित के बिजली मीटर की रीडिंग 19 जुलाई 2025 को 3645 दर्ज की गई थी, जबकि अगले ही महीने 23 अगस्त 2025 को मीटर रीडिंग अचानक बढ़ाकर 7335 दर्ज कर दी गई। इस प्रकार 3690 यूनिट की खपत दिखाकर पहले 27,097 का भारी भरकम बिजली बिल तैयार किया गया। उपभोक्ता के खाते में पहले से 554 जमा रहने के कारण उसे माइनस कर पीड़ित को लगभग 26,544 का बिल थमा दिया गया।

यह बिल इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि वर्ष 2013 से पीड़ित का मीटर चालू है और अब तक हर महीने सामान्य रूप से 200 से 250 के बीच ही बिजली बिल आता रहा है। घर में बिजली खपत भी बेहद सीमित है, जहां केवल चार सीएफएल बल्ब और दो सीलिंग फैन ही उपयोग में हैं। ऐसी स्थिति में अचानक हजारों यूनिट की खपत दिखाकर भारी भरकम बिल भेजा जाना विभागीय कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पीड़ित का आरोप है कि जब वह बार-बार बिजली विभाग के कार्यालय जाकर अपनी समस्या बताने का प्रयास करता है, तो वहां के हेड क्लर्क द्वारा उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है, गाली-गलौज की जाती है और उसे एसडीओ से मिलने तक नहीं दिया जाता।

इतना ही नहीं, इस विवादित और संदिग्ध बिल के आधार पर बिजली विभाग द्वारा पीड़ित के घर की बिजली आपूर्ति भी काट दी गई है, जिसके कारण पूरा परिवार अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हो गया है।

इस मामले की सूचना मिलने पर विस्थापित अधिकार मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो पीड़ित के घर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली बिल के नाम पर एक संगठित घोटाले की आशंका नजर आ रही है। आरोप है कि मनमाने तरीके से मीटर रीडिंग बढ़ाकर उपभोक्ताओं को भारी भरकम बिल भेज दिया जाता है और जब उपभोक्ता डरकर कार्यालय पहुंचते हैं, तब उनसे 5,000 से 10,000 तक की अवैध राशि लेकर बिल माफ कराने का प्रलोभन दिया जाता है। बाद में मीटर सुधार कर वास्तविक बिल थमा दिया जाता है।

श्री महतो ने कहा कि यह व्यवस्था गरीब और सामान्य उपभोक्ताओं के साथ खुला अन्याय है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने, पीड़ित उपभोक्ता का गलत बिजली बिल तुरंत सुधारने तथा उनके घर की बिजली आपूर्ति अविलंब बहाल करने की मांग की है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस मामले में न्याय नहीं मिला, तो विस्थापित अधिकार मंच जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

शहर के बोदरा चौक के पास शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान आकाश सामड़ के रूप में हुई है। वह तांतनगर थाना क्षेत्र के गितीलआदेर गांव का रहने वाला था और इन दिनों अपने चाचा अजबन सामड़ के साथ बोदरा चौक स्थित उनके गैरेज में रहकर काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार, आकाश सामड़ प्रतिदिन की तरह शनिवार की रात सब्जी लेने के लिए तांबो चौक स्थित एक होटल की ओर जा रहा था। इसी दौरान तांबो चौक से लगभग 500 मीटर दूर बोदरा चौक के पास बायपास रोड से झींकपानी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार छोटी अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलने पर मुफस्सिल थाना को भी सूचित किया गया। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल आकाश सामड़ को तुरंत सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की पहचान करने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

वेदांता का बड़ा संकल्प, खनन और ऊर्जा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी 35% करने का लक्ष्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर वेदांता ग्रुप ने औद्योगिक क्षेत्र में लैंगिक समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। कंपनी ने अपने कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी को वर्तमान के 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हैशटैग अभियान और एक विशेष हायरिंग ड्राइव की शुरुआत की गई है।

उद्योग जगत के आंकड़ों के अनुसार, खनन और धातु जैसे कोर क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी महज 6 प्रतिशत है। वेदांता की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत की विकास आकांक्षाओं के लिए प्रतिभा को समान अवसर देना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 35 प्रतिशत का लक्ष्य तो केवल एक पड़ाव है, कंपनी का अंतिम उद्देश्य इसे 50 प्रतिशत तक ले जाना है।

तकनीक और ऑटोमेशन से सशक्त होंगी महिलाएं-वेदांता अपनी समावेशन रणनीति के तहत उन्नत तकनीक का सहारा ले रही है। ऑटोमेशन और डिजिटल ऑपरेशंस सेंटर के माध्यम से कार्यस्थलों को ऐसा बनाया जा रहा है, जहां मूल्यांकन क्षमता के आधार पर हो। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एल्युमिनियम स्मेल्टर की पूरी उत्पादन लाइन महिलाएं संभाल रही हैं। बिजली उत्पादन, सुरक्षा संचालन और लोकोमोटिव प्रबंधन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में भी महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

सहयोगी कार्य-संस्कृति और भविष्य की राह-कंपनी महिलाओं को केवल रोजगार ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रदान कर रही है। इसमें मातृत्व अवकाश के बाद इंटर्नशिप कार्यक्रम, फ्लेक्सिबल वर्किंग और आधुनिक टाउनशिप में बाल देखभाल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीईओ एवं होल टाइम डायरेक्टर रवीश शर्मा ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उद्योग के समग्र विकास को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हो रहा हैशटैग अभियान अब महिला इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों और भूवैज्ञानिकों को भारी संख्या में अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जो भारत के औद्योगिक भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 09 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

महिला दिवस पर नारी शक्ति के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

कसमार (बोकारो) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को बहादुरपुर स्थित सहयोगिनी कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं के सम्मान में जागरूकता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति ने जश्न मनाया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कसमार प्रखंड प्रमुख नियोति दे ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने जानकारी देते हुए कही कि राज्य व केंद्र सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र की महिलाएं और किशोरियां आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं और शिक्षा व अन्य क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप सहयोगिणी के निदेशक गौतम सागर, कुमारी किरण, प्रकाश महतो, अभय कुमार सिंह, लबानी घोष, संगीता देवी, सूर्यमणि देवी, मंजू, विनीता, रवि राय, नीतू, सोनी, विकास गोस्वामी, अनिल हेंब्रम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डीसी के आदेश की अनदेखी पर बवाल, स्कूलों पर कार्रवाई की तैयारी

बोकारो। जिले के कई निजी स्कूलों द्वारा किताबों की सूची सार्वजनिक नहीं करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जिला प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शहर के कुछ प्रतिष्ठित विद्यालयों ने अपनी वेबसाइट पर बुक लिस्ट जारी नहीं की है, जिससे अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने 11 फरवरी को निजी स्कूलों के साथ बैठक कर निर्देश दिया था कि नए शैक्षणिक सत्र से 45 दिन पहले किताबों की सूची जारी की जाए और 25 फरवरी तक हर हाल में विद्यालय की वेबसाइट पर बुक लिस्ट सार्वजनिक की जाए। इस पहल का उद्देश्य स्कूलों और चुनिंदा पुस्तक विक्रेताओं के बीच कथित साठगांठ को खत्म करना और अभिभावकों को कहीं से भी किताबें खरीदने की स्वतंत्रता देना था।

हालांकि तय समय सीमा समाप्त होने के बाद भी डीपीएस, चिन्मया, एमजीएम, जीजीपीएस और अय्यप्पा स्कूल सहित कई संस्थानों द्वारा बुक लिस्ट साझा नहीं करने के आरोप लगे हैं। इस स्थिति को प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना माना जा रहा है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को तत्काल संज्ञान लेकर दोषी स्कूलों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इधर झारखंड अभिभावक महासंघ बोकारो जिला के संरक्षक राकेश कुमार मधु ने कहा कि निजी विद्यालय प्रशासनिक निर्देशों की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में सहमति देने के बाद भी आदेश का पालन नहीं करना यह दर्शाता है कि कुछ स्कूल खुद को नियमों से ऊपर समझने लगे हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि शिक्षा विभाग इन स्कूलों पर क्या कार्रवाई करता है।

होन्हे और लुगु बुरु क्षेत्र में 37 हाथियों का जमावड़ा, 25 गांवों के लिए हाई अलर्ट जारी

बोकारो : वन विभाग ने होन्हे जंगल और लुगु बुरु क्षेत्र में हाथियों के बड़े झुंड के आवागमन को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। वर्तमान में 20 हाथियों का एक नया झुंड होन्हे जंगल में प्रवेश कर चुका है, जिसके आज रात तक लुगु बुरु पहाड़ की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। उल्लेखनीय है कि लुगु बुरु क्षेत्र में पहले से ही 17 हाथी मौजूद हैं, जिससे अब इलाके में हाथियों की कुल संख्या 37 हो गई है।

इन गांवों पर मंडरा रहा है खतरा-प्रशासन ने लुगु बुरु के आसपास और रास्ते में पड़ने वाले गांवों के निवासियों को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा है। प्रभावित होने वाले प्रमुख गांवों में जहरलोंग, सिमराबेड़ा, कंडेर, दरहाबेडा, धवईया, होन्हे, तिरला, चोरगावा, मुरपा, खाखंदा, गंगपुर, बेलडीह, तुलबुल, पिंडरा, तुतिझरना, डकासाडम, सेहेदा, तिलैया, नारण, लवालांग, अंबाडीह और केरी शामिल हैं।

सुरक्षा के लिए वन विभाग के महत्वपूर्ण निर्देश-हाथियों के उग्र स्वभाव और अंधेरे में उनकी तेज गति को देखते हुए विभाग ने कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनमें लोगों से रात में बाहर नहीं निकलने, सूर्यास्त के बाद घरों के अंदर ही रहने, यदि हाथी गांव के करीब आ जाएं, तो कच्चे मकानों के बजाय तुरंत किसी पक्के मकान या उसकी छत पर जाने की अपील की है।

मुआवजा और सहायता के लिए हेल्पलाइन-वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि हाथियों द्वारा फसल या मकान के नुकसान की स्थिति में त्वरित मुआवजा प्रदान किया जाएगा। सहायता के लिए लुगु बुरु एवं झुमरा क्षेत्र में अजीत मुर्मू (+91-8797380577) तथा महुआटांड़ एवं बरकी पुन्नू क्षेत्र में निताय चंद्र महतो (+91-7070466084) के नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने कहा है कि वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही हैं और हाथियों की लोकेशन पर नजर बनाए हुए हैं। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे हाथियों को छेड़ने या उनके करीब जाने की कोशिश न करें।

हर घर में जागे महिला सशक्तिकरण की रोशनी, हर दिन बने वुमन डेः डीडीसी

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने सशक्तिकरण की शुरुआत घर की चारदीवारी से करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हर घर में रोजाना निभाई जाने वाली जिम्मेदारी होनी चाहिए।

डीडीसी ने अपने संबोधन में परिवार के हर सदस्य- बेटा, बेटी, ननद और अन्य से महिलाओं को प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों की परवरिश में यह समझाना बेहद जरूरी है कि मम्मी केवल रोटी बनाने के लिए नहीं हैं और पापा केवल पैसे कमाने के लिए नहीं। जब तक घर के भीतर कार्यों का लैंगिक आधार पर बंटवारा समाप्त नहीं होगा, तब तक वास्तविक समानता नहीं आ सकती।

श्रीमती मजूमदार ने प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि मुखिया पति जैसी प्रवृत्तियों को अब जड़ से समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न केवल पद, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति भी मिलनी चाहिए। उनके अनुसार, समाज तभी बदलेगा जब हर परिवार में महिलाओं के योगदान का सम्मान होगा और हर दिन को वुमन डे की तरह मनाया जाएगा।

महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्षमः एसपी हरविंदर सिंह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर बोकारो पुलिस की ओर से शहर में विशेष अभियान चलाकर नारी शक्ति का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के नेतृत्व में महिला पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और अन्य स्थानों पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों की जांच की और लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

अभियान में चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी, सेक्टर-6 थाना प्रभारी संगीता कुमारी, चास महिला थाना प्रभारी सुनीला लिंडा और नगर महिला पुलिस मीरा लकड़ा सहित कई महिला पुलिसकर्मी शामिल रहीं। महिला पुलिसकर्मियों ने नया मोड़ बिरसा चेक पोस्ट, चास चेक पोस्ट समेत कई प्रमुख स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों की जांच की गई तथा नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को चेतावनी दी गई। वहीं हेलमेट पहनकर सुरक्षित वाहन चला रही महिलाओं को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त और सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को आगे रखकर यह अभियान इसलिए चलाया गया है ताकि समाज में यह संदेश जाए कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभा रही हैं। उन्होंने बोकारोवासियों से अपील की कि किसी भी आपराधिक गतिविधि या पुलिस सहायता की आवश्यकता होने पर तुरंत 112 नंबर पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस का लक्ष्य "सेवा ही लक्ष्य" है और बोकारो पुलिस हमेशा जनता की सेवा में तत्पर है।

राष्ट्रपति के अपमान के विरोध में ममता बनर्जी का पुतला दहन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान के विरोध में रविवार को नया मोड़ चौक पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष रघुनाथ टुडू ने किया।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सम्मेलन का आयोजन विधाननगर उपमंडल में होना था, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं दी और कार्यक्रम को बागडोगरा के गोशाईपुर में स्थानांतरित कर दिया गया। वहां भी लोगों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोका गया और प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग नहीं मिला। भाजपा नेताओं ने इसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति का अपमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जयदेव राय, जिला उपाध्यक्ष रामलाल सोरेन, जिला महामंत्री संजय त्यागी, अर्चना सिंह, परिंदा सिंह, जयनारायण मरांडी, माथुर मंडल, चंद्रशेखर सिंह, भानु प्रताप सिंह, फूलचंद किस्कू, जितेंद्र नारायण मुर्मू, पन्नालाल कादु, संजय प्रसाद, सुनील यादव, राजकुमार, झंटू दे, तारा शाह, लाल बाबू, निर्भय कुमार, तेजपाल सिंह, दुर्गा टुडू, ज्योति लाल सोरेन, मदन किस्कू, ज्योति किस्कू, मनीषा किस्कू, प्रिय किस्कू, नेहा सोरेन, गुड़िया सोरेन, आरती सोरेन और अंजली सोरेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिलाएं सभी क्षेत्रों में सशक्त होकर बन रहीं है आत्मनिर्भर : मंत्री योगेंद्र

» कसमार प्रखंड में कई स्थानों में महिला दिवस में कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को मंजूरा स्थित बिनोद बिहारी महतो चौक सपाहीटांड में मंजूरा, मधुकरपुर, कसमार, खैराचातर जागृती आजिविका सहकारी समिति लिमिटेड के द्वारा महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व विधायक बबिता देवी एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस दौरान चारों सीएलएफ ने वार्षिक लेखा-जोखा, कार्यों व उपलब्धियों की जानकारी दी। वहीं सिल्लीसाड़म की संथाली टीम के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महिलाओं द्वारा बाल विवाह पर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि एक महिला केवल एक बेटी, मां या पत्नी नहीं होती, वह समाज की रीढ़ की हड्डी होती है। आज की महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक और घर की चौखट से लेकर व्यापार की दुनिया तक, हर जगह अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश और समाज के विकास में बराबरी से भागीदारी निभा रही हैं। राजनीति से लेकर विज्ञान और तकनीक तक, हर क्षेत्र में महिलाएं उपलब्धियां हासिल कर रही है। मौके प्रमुख नियोति कुमारी, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, सीओ नरेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी कुंदन कुमार, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि मो शेरे आलम, मुखिया ममता देवी, गीता देवी समेत महिला समूहों की सदस्य मौजूद थी।

तनिष्क शोरूम लूट प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में 11 जनवरी 2026 को हथियार के बल पर लूट का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना के बाद सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 02/26 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2 मार्च 2026 को मामले में शामिल दो आरोपियों को अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुभम कुमार (पिता राम पुर्ती सिंह, निवासी चेरिया बरियारपुर, थाना चेरिया बरियारपुर, जिला बेगूसराय) को सूरत (गुजरात) से तथा पंकज कुमार (पिता दिनेश सिंह, निवासी चेरिया बरियारपुर, थाना चेरिया बरियारपुर, जिला बेगूसराय) को बैंगलोर (कर्नाटक) से ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार कर बोकारो लाया। पूछताछ में दोनों ने सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में लूट के प्रयास में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने दो देशी पिस्टल, चार जिंदा गोलियां और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शुभम कुमार के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 90/2024, चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 180/2025, रतनपुर थाना कांड संख्या 53/2024 तथा मुंगेर (मु.) थाना कांड संख्या 30/2025 शामिल हैं। वहीं पंकज कुमार के खिलाफ चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 180/2025 और मुंगेर (मु.) थाना कांड संख्या 30/2025 दर्ज है।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में शामिल दो अन्य आरोपी प्रिंस कुमार और समशाद को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। छापामारी दल में पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन, सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार, तकनीकी शाखा प्रभारी विक्रम कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक मुन्ना रमानी, पुलिस अवर निरीक्षक कुमार विक्रम सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक अवेन्द्र कुमार साव, पुलिस अवर निरीक्षक मंटु कुमार, आरक्षी बब्लू गोप, आरक्षी अनुप कुमार साहु, आरक्षी मुकेश कुमार राय, आरक्षी हरिश चन्द्र राम, आरक्षी मो. इलयास अंसारी तथा आरक्षी अनिल कुमार सिंह शामिल थे।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट चास के अध्यक्ष बने मानिक व आनन्द कोषाध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट, चास प्रखंड की बैठक रविवार को चास में मानिक सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान पत्रकार हित पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के बोकारो जिलाध्यक्ष कृष्णा चौधरी सहित जिला कार्यकारिणी के अधिकारियों की देखरेख में चास प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष मानिक सिंह, सचिव विश्वजीत झा, उपाध्यक्ष रवि कुमार वर्मा, रसिक राय, कोषाध्यक्ष आनन्द कुमार महतो, सह कोषाध्यक्ष मनोज सिंहा, सह सचिव तीरथ चौधरी, सुनील महतो, सच्चिदानंद पाठक, संतोष कुमार को बनाए गए। जिलाध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने कहा कि जेयूजे संगठन पत्रकारों के हित के लिए बनाया गया है। प्रदेश नेतृत्व ने पत्रकार हित के लिए राज्य सरकार से कई मांगे रखी है। नवनिर्वाचित चास प्रखंड अध्यक्ष मानिक सिंह ने कहा कि सभी पत्रकारों को एक संगठन में रहकर अपने आप को सुरक्षित रखने की जरूरत है। अपने मौलिक अधिकार के लिए उन्होंने पत्रकारों को इस संगठन से जुड़ने की अपील की। मौके पर राहुल कुमार बसु, अनिल चंद्रा, सागर महथा, राजेश कुमार, अभिषेक मिश्रा, राजेश यादव आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में अनुपस्थिति पर बाबूलाल मरांडी की आलोचना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम में राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति को लेकर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बोकारो में मीडिया से बातचीत करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राष्ट्रपति का कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं होता और राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद है।

उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति किसी राज्य में कार्यक्रम के लिए जाती हैं तो वहां के मुख्यमंत्री या सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहते हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं कार्यक्रम में नहीं गईं और न ही किसी मंत्री को भेजा गया। बाबूलाल मरांडी ने इसे संवैधानिक पद का अपमान बताते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ममता बनर्जी समझ चुकी हैं कि 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद उनकी सत्ता समाप्त होने वाली है, इसलिए इस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को इस घटना के लिए राष्ट्रपति और देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

राय चौक की दो दुकानों में भीषण आग, लाखों का नुकसान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। सेक्टर 8/सी स्थित राय चौक में रविवार सुबह अचानक लगी आग से दो जनरल स्टोर जलकर राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि आर के जनरल स्टोर और पवन जनरल स्टोर इसकी चपेट में आ गए, जिससे दोनों दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया।

पवन जनरल स्टोर के संचालक काशीनाथ प्रसाद ने बताया कि सुबह स्थानीय लोगों ने दुकानों से धुआं निकलते देखा और तुरंत सूचना दी। इसके बाद झारखंड अग्निशमन विभाग को फोन किया गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मी राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। पहले दुकानों का शटर तोड़कर खोला गया, इसके बाद अंदर लगी आग को बुझाया गया। इस दौरान आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

घटना के समय दुकान मालिक अपने घरों पर थे। आर के जनरल स्टोर के संचालक रंजीत कुमार गुप्ता उस समय रांची में थे। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद उन्हें घटना की जानकारी मिली। रंजीत कुमार गुप्ता के अनुसार आग लगने से लगभग चार से पांच लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ है।

फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ लोग शॉर्ट सर्किट को वजह बता रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि दुकान के पीछे झाड़ियों में लगाई गई आग फैलकर दुकानों तक पहुंच गई। मामले की जांच की जा रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

एबीकेएम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान

धनबादः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा धनबाद द्वारा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला प्रकोष्ठ की पूर्व जिला अध्यक्षा रीता लाला, डॉ.मीना श्रीवास्तव और रेशम सिन्हा को पुष्पगुच्छ, शॉल, पेन, डायरी देखकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा धनबाद के जिला अध्यक्ष रवि भूषण श्रीवास्तव एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अन्य पदाधिकारीगण उपेंद्र वर्मा, अनिल सिन्हा, राजू श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, विजय सिन्हा, हरे राम श्रीवास्तव, राखी लाला एवं राजेश लाला उपस्थित थे। इस शिष्टाचार मुलाकात पर रीता लाला ने सबों को अपना आशीर्वाद दिया।

चास में नव निर्वाचित वार्ड पार्षदों का अभिनंदन, नगर विकास समिति ने जनप्रतिनिधियों को किया सम्मानित

बोकारो : नगर विकास समिति के तत्वाधान में आज चास नगर निगम के नव निर्वाचित वार्ड पार्षदों के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला मोड़ (चास) में आयोजित इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी जीत और भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभय कुमार मुन्ना ने की तथा मंच संचालन गौरी शंकर सिंह द्वारा किया गया।

अंगवस्त्र देकर पार्षदों का हुआ सम्मान–समारोह के दौरान जनता का विश्वास जीतकर आए विभिन्न वार्डों के पार्षदों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले पार्षदों में मंजू देवी, बबीता देवी, ममता देवी, गायत्री देवी, संजू देवी, टुनटुन मिश्रा, कल्याणी सिंह, सुनील महतो, अमोद सिंह, संतोष सिंह, राहुल कुमार, विकास महतो और सपन कुमार शामिल थे।

जनता की आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती–अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर विकास समिति के संरक्षक सदस्य बाल कृष्ण मुरारी ने कहा कि चास नगर निगम का चुनाव वर्षों से बाधित रहने के कारण आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के हस्तक्षेप के बाद झारखंड सरकार चुनाव कराने को बाध्य हुई, जिससे अब नगर निगम में अपनी सरकार बनने जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्वाचित प्रतिनिधि सामूहिक प्रयास से विकास कार्यों को गति देंगे और जनता की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करेंगे।

इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें बालकृष्ण मुरारी, डॉ. एस. कुमार, रामभजन सिंह, लालमुनी देवी, करमचंद गोप, गौरीशंकर सिंह, अतीश कुमार सिंह, नरोत्तम झा, रामकिंकर माहथा, विनोद चौधरी, अशोक महतो, रानी माली, अशोक कुमार सिंह, अमरनाथ प्रसाद, महानंद कुमार, गौतम स्वर्णकार, नवीन सिंह और जितेंद्र कुमार सिंह आदि प्रमुख थे। उपस्थित लोगों ने पार्षदों से चास की बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, ड्रेनेज और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में प्रिंस गैंग का शूटर घायल

» एक सब-इंस्पेक्टर भी गोली लगने से जख्मी, इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः रविवार को भूंइफोड़ स्थित धनबाद पब्लिक स्कूल के पास पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात प्रिंस गैंग का एक शूटर घायल हो गया, जबकि एक सब-इंस्पेक्टर भी गोली लगने से जख्मी हो गए। घायल पुलिसकर्मी को इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को इलाके में रंगदारी (लेवी) वसूली की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने बम और गोली चलाकर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से प्रिंस गैंग का शूटर सुदीश ओझा घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। इस दौरान सरायढेला थाना क्षेत्र में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर बालमुकुंद के हाथ में गोली लग गई। दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए असर्फी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर फरार अपराधी की तलाश शुरू कर दी है।

धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि अपराधी रंगदारी लेने आए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। घेराबंदी के दौरान आरोपी भागने की कोशिश करने लगे और पहले पुलिस पर फायरिंग की। इसमें एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गए। अपराधी के पास दो बम भी थे, जिनमें से एक पुलिस पर फेंका गया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी सुदीश ओझा के दोनों पैरों में गोली लगी है।

एसएसपी ने बताया कि मौके पर दो अपराधी मौजूद थे। इनमें से एक घायल हो गया, जबकि दूसरा फरार हो गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। घटनास्थल से एक जिंदा बम भी बरामद किया गया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

आयुष फाउंडेशन द्वारा महिला दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा सरायढेला स्थित श्री जगन्नाथ हॉस्पिटल में कार्यरत महिलाओं के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में कार्यरत आया, नर्स, डॉक्टर सहित कुल 40 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, पासिंग द पार्सल जैसे खेल शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड 24 की नवनिर्वाचित पार्षद सरिता सिंह और विशिष्ट अतिथि वार्ड 22 की नवनिर्वाचित पार्षद सुमन सिंह थीं। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आयुष फाउंडेशन के सचिव अर्पिता अग्रवाल, अध्यक्ष गणेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुजाता रंजन, ज्वाइंट सेक्रेटरी राधा अग्रवाल, हिना दास, शोभना भट्टाचार्य, प्रिया, निरुपमा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बोकारो थर्मल में बेटियों ने सीखीं आत्मरक्षा का मंत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को बोकारो थर्मल स्थित बोकारो क्लब में महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए एक विशेष सेल्फ डिफेंस कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा द्वारा आयोजित इस शिविर में पूरे बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों- बोकारो थर्मल, गोमिया, पेटरवार, कसमार, जरीडीह, चास, नावाडीह और चंदनकियारी से आई बड़ी संख्या में युवतियों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कराटे की बारीकियों और संकट के समय बचाव की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया गया। महिला प्रशिक्षक पायल कुमारी ने युवतियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के दौर में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेना केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। उन्होंने कहा कि कराटे सीखकर महिलाएं न केवल सुरक्षित रह सकती हैं, बल्कि अपना प्रशिक्षण केंद्र शुरू कर स्वरोजगार भी अपना सकती हैं और खेल के माध्यम से जिले का नाम रोशन कर सकती हैं।

मानसिक जागरूकता पर विशेष जोर-उत्कल कराटे स्कूल के मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई महादेव गोप ने बताया कि कराटे का प्रशिक्षण युवाओं में अनुशासन और आत्मविश्वास का संचार करता है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि फिजिकल डिफेंस से पहले मानसिक रूप से जागरूक होना जरूरी है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में घबराए बिना सूझबूझ से मुकाबला किया जा सके। यह कला त्वरित निर्णय लेने और शरीर को फुर्तीला बनाने में सहायक सिद्ध होती है।

इस प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में पूजा प्रमाणिक, नेहा कुमारी, प्रीति कुमारी, जयश्री सेन, डोली कुमारी, कुसुम कुमारी, काजल कुमारी, नकुल यादव, विक्रम कुमार और राजेश रविदास सहित कई अन्य गणमान्य लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शिविर के अंत में प्रतिभागियों ने अपनी सीखी हुई तकनीकों का प्रदर्शन भी किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

» सशक्त महिला सुरक्षित समाज की आधारशिलाः न्यायाधीश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः अज्ञानता परेशानी का कारण बन सकती है, लेकिन जागरूकता न्याय का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी उद्देश्य के साथ रविवार को सिविल कोर्ट धनबाद स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

वहीं, जिले के हर प्रखंड व पंचायत में प्राधिकार के पैरालीगल वालंटियर्स के द्वारा भी जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी प्रावधानों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि शिविर में महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध, महिला हेल्पलाइन तथा निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं सशक्त समाज के लिए महिलाओं का सशक्त ,शिक्षित व जागरुक होना अत्यंत आवश्यक है। सशक्त महिला ही सुरक्षित समाज की आधारशिला होती है। कार्यक्रम में अधिकार मित्रों, पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं स्थानीय महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

ड्यूटी के दौरान ईसीएल कर्मी का संदिग्ध हालत में मिला शव, हंगामे के बाद आश्रित को नौकरी पर बनी सहमति

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

मुगमा (धनबाद)ः ईसीएल मुगमा क्षेत्र अंतर्गत बड़मुड़ी ओसीपी में ड्यूटी के दौरान एक कर्मी का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिलने से पूरे खदान क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गोपालपुर कॉलोनी निवासी 48 वर्षीय लखिंदर मुर्मू के रूप में हुई है, जो होलपैक ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे।

बताया जाता है कि शनिवार देर रात करीब 12:30 बजे रात पाली की ड्यूटी के दौरान लखिंदर मुर्मू का शव होलपैक वाहन में संदिग्ध हालत में मिला । घटना की जानकारी मिलते ही खदान क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सहकर्मियों ने आनन-फानन में उन्हें ईसीएल मुगमा एरिया के रीजनल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई।

रविवार सुबह घटना की खबर फैलते ही संयुक्त मोर्चा के सदस्य, ओसीपी कर्मी और परिजन शव को लेकर ईसीएल मुगमा एरिया ऑफिस पहुंच गए। संयुक्त मोर्चा ने इसे साधारण आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए साजिश के तहत हत्या की आशंका जताई। उन्होंने मामले की जांच डीजीएमएस, जेसीसी सदस्य और सेफ्टी बोर्ड से कराने की मांग की। साथ ही मृतक के आश्रित को तत्काल नौकरी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन और नारेबाजी की।

स्थिति तनावपूर्ण होते देख ईसीएल मुगमा महाप्रबंधक राजकिशोर सिंह और संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों के बीच उच्च स्तरीय बैठक हुई। लंबी वार्ता के बाद प्रबंधन ने मृतक के आश्रित को नियोजन देने की मांग स्वीकार कर ली। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर सहमत हुआ।

बैठक में संयुक्त मोर्चा की ओर से आगम राम, रामजी यादव, गणेश धर, लखी सोरेन, शशि भूषण तिवारी, राजकुमार चौहान और मनोज सिंह समेत कई यूनियन प्रतिनिधि मौजूद थे।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति का वंदन, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं हुईं सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विशेष समारोह में समाज और सरकारी तंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत और मेधा का लोहा मनवाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इन महिला नायिकाओं के योगदान को सराहा।

समारोह के दौरान अलग-अलग विभागों में अपनी विशिष्ट कार्यशैली से पहचान बनाने वाली महिलाओं को मंच पर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में स्वास्थ्य विभाग से कंचन (जिला डेटा प्रबंधक) और सुनीता लाखड़ा (सीएचओ, चास), शिक्षा विभाग से ममता कुमारी और नमिता कुमारी (दोनों शिक्षक), एसएचजी/सामाजिक सुरक्षा से प्रमिला देवी और कल्पना देवी (दोनों एसएचजी सदस्य), सामाजिक सुरक्षा विभाग से ट्विंकल (अकाउंट क्लर्क), चंदा रानी (सीडीपीओ) और बालिका कुमारी (सेविका), कृषि विभाग से वर्षा रानी (क्लर्क), पशुपालन विभाग से चारु चंद्रा (ऑपरेटर), परिवहन विभाग से रितु कुमारी (ऑपरेटर), खेल विभाग से अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स खिलाड़ी आशा किरण बरला तथा पुलिस विभाग से सुषमा कुमारी और सुनील लिंडा (दोनों थाना प्रभारी, चास) के नाम शामिल हैं।

मेहनत और सशक्तिकरण की हुई सराहना–अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि ये महिलाएं न केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रही हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही हैं। उपायुक्त और एसपी ने सभी सम्मानित कर्मियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी को अतुलनीय बताया। प्रशासन ने यह भी रेखांकित किया कि महिलाओं के योगदान से ही जिला विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बस्ताकोला में प्लाई गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान राख

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

झरिया (धनबाद)ः धनाबाद के झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बस्ताकोला में रविवार को एक प्लाई गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखा लाखों रुपये का प्लाई जलकर राख हो गया।

घटना में राजू अग्रवाल समेत तीन लोग झुलस गए, जिन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर फटने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

आग की चपेट में आने से एक मवेशी के झुलसने की भी सूचना मिल रही है, जबकि अन्य मवेशियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी रहीं। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उपायुक्त ने सामाजिक रूढ़ियों पर किया प्रहार, कहा- बदलाव की वाहक बनें बेटियां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को बोकारो में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में आयोजित विशेष महोत्सव को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाज की रगों में बसी पितृसत्तात्मक सोच पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएं और बेटियां अब केवल बदलाव का इंतजार न करें, बल्कि खुद इस बदलाव की वाहक बनें। उपायुक्त ने दो टूक शब्दों में कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन तभी आएगा जब बेटा-बेटी के भेदभाव को सती प्रथा की तरह इतिहास बना दिया जाएगा।

मुखिया पति वाली संस्कृति पर किया कटाक्ष-उपायुक्त ने महिला सशक्तिकरण के नाम पर होने वाले दिखावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महिलाओं को आरक्षण और मंच तो मिला है, लेकिन समस्या की जड़ अभी भी मौजूद है। अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं आगे तो होती हैं, लेकिन पुरुष पीछे से बागडोर संभालते हैं। उन्होंने मुखिया पति जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि अब महिलाओं को स्वयं उठकर कमान संभालनी होगी।

मंईयां सम्मान योजनाः उत्थान की एक नई शुरुआत-राज्य सरकार की झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का उल्लेख करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन ने इसके माध्यम से महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और उत्थान का संकल्प लिया है। उन्होंने बेटियों के अस्तित्व को विवाह की बेड़ियों से मुक्त करने की अपील करते हुए कहा, बेटियां समाज और देश का महत्वपूर्ण ह्यूमन रिसोर्स हैं, उनका जन्म केवल शादी के लिए नहीं हुआ है। उन्हें खुश रहने और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दें।

सामाजिक बदलाव के लिए दिए क्रांतिकारी सुझाव-उपायुक्त ने दैनिक जीवन में सम्मान प्रदर्शित करने के लिए कई प्रेरक और क्रांतिकारी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर के बोर्ड पर सबसे पहले अपनी पत्नी का नाम लिखाएं। बेटियां अपनी पसंद के अनुसार पोशाक पहनें और अपने जीवन के फैसले स्वयं लें। पति के निधन के बाद कोई महिला बिंदी लगाए या न लगाए, यह पूरी तरह उसका व्यक्तिगत निर्णय होना चाहिए, न कि समाज का।

बाल विवाह मुक्त समाज का संकल्प-उन्होंने बधाई हो बेटी हुई है और बाल विवाह मुक्त अभियानों की सफलता की चर्चा करते हुए कहा कि जब 100 साल पहले सती प्रथा जैसी जड़ कुरीति मिट सकती है, तो आज के भेदभाव को क्यों नहीं मिटाया जा सकता? उन्होंने समाज से आह्वान किया कि बेटियों को शिक्षा और समान अवसर दें, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्र जीवन जी सकें।

संक्षिप्त समाचार

चैनपुर प्रखंड के चकहरभों में बाल विवाह रोका गया

पलामू : चैनपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम चकहरभों में रविवार को एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह होने से प्रशासन द्वारा रोक दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार चकहरभों निवासी विरेंद्र कुमार चौरसिया की नाबालिग पुत्री नेहा कुमारी(उम्र लगभग 15 वर्ष) का विवाह दिनांक 08.03.2026 को कराए जाने की तैयारी की जा रही थी।इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान के नेतृत्व में मामले की त्वरित जांच की गयी। बाल विवाह की रोकथाम के लिए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चैनपुर,प्रखंड विकास पदाधिकारी चैनपुर तथा चैनपुर थाना की संयुक्त टीम द्वारा स्थल पर पहुंचकर स्थिति की जांच की गई। टीम ने नाबालिग के पिता एवं परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा विधिक प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए समझाया।प्रशासनिक टीम के समझाने-बुझाने के बाद परिजन सहमत हो गए तथा यह आश्वासन दिया कि बालिका का विवाह विधि अनुसार निर्धारित आयु (18 वर्ष) पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा।इस कार्रवाई में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,पलामू, प्रखंड विकास पदाधिकारी चैनपुर, चैनपुर थाना प्रभारी तथा चैनपुर परियोजना की महिला पर्यवेक्षिका श्रीमती निर्मला कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ईसीसी लीजेंड लीग सीजन–4 का खिताब मां तारा सपोर्टिंग के नाम, छुटू मोदक की शानदार कप्तानी पारी

कोल्हान : चांडिल स्टेशन के समीप उगडीह क्रिकेट मैदान में आयोजित पूरे अनुमंडल क्षेत्र के सबसे भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट ईसीसी लीजेंड लीग सीजन–4 का फाइनल मुकाबला मां तारा सपोर्टिंग और रौनक सपोर्टिंग के बीच खेला गया। फाइनल मैच का उद्घाटन ईचागढ़ विधानसभा के प्रख्यात समाजसेवी राकेश वर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विधिवत रूप से किया। इससे पूर्व आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि का गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। टॉस जीतकर मां तारा सपोर्टिंग ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रौनक सपोर्टिंग की टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 120 रन बनाकर प्रतिद्वंद्वी टीम के सामने 121 रनों का लक्ष्य रखा।लक्ष्य का पीछा करने उतरी मां तारा सपोर्टिंग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11.2 ओवर में 124 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और विजय ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टीम की ओर से कप्तान छुटू मोदक ने शानदार कप्तानी पारी खेलते हुए 28 गेंदों में 62 रन बनाए और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राकेश वर्मा सहित अन्य अतिथियों ने विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 60 हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी और 40 हजार रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य अनीता पारित, ओम प्रकाश लायेक, समाजसेवी पप्पू वर्मा, मुखिया मंगल मांझी, पूर्व मुखिया गौरीशंकर सिंह, मुखिया प्रतिनिधि भोला सिंह सरदार, पंचायत समिति सदस्य तारा पति, चांडिल स्टेशन प्रबंधक विष्णु तांती, निखिल रंजन महतो और फुलचांद महतो मौजूद रहे। वहीं आयोजन समिति की ओर से दुर्गा प्रसाद सिंह, सोमनाथ महंती, राजू सिंह, मजनू सिंह, बबलू तांती और सूरज मुंडा सहित कई सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित थे।

नमामि गंगे क्विज में महिलाओं ने दिखाया दम, सही उत्तर देने वाली प्रतिभागी हुईं सम्मानित

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में ज्ञान और जागरूकता का संगम देखने को मिला। जल महोत्सव पखवारा के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में नमामि गंगे योजना पर आधारित एक विशेष क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित महिलाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा और जानकारी का प्रदर्शन किया।

जल संरक्षण और पर्यावरण पर केंद्रित रहे प्रश्न–प्रतियोगिता का संचालन नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार ने किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से नमामि गंगे योजना के उद्देश्यों, नदियों की स्वच्छता, जल संरक्षण की विधियों और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े कई रोचक प्रश्न पूछे। क्विज के दौरान महिलाओं के बीच जबरदस्त उत्साह देखा गया और उन्होंने न केवल प्रश्नों के त्वरित उत्तर दिए, बल्कि जल संचयन के महत्व को भी रेखांकित किया।

जागरूकता के साथ मिला सम्मान–प्रतियोगिता में सही उत्तर देने वाली सभी महिला प्रतिभागियों को प्रशासन की ओर से उपहार देकर प्रोत्साहित और सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण की मुहिम से जोड़ना था, क्योंकि समाज में जल और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में महिलाओं की भूमिका सबसे प्रभावी होती है। उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से नमामि गंगे जैसे राष्ट्रीय अभियानों को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलती है।

शिव–पार्वती विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। रामगढ़ प्रखंड के ठाडीहाट गांव में आयोजित श्रीशिवमहापुराण कथा के चौथे दिन रविवार को कथा व्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज ने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का विस्तृत वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं में भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला और कथा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। आसपास के कई गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंचे।

कथा व्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज ने कहा कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह केवल एक दैवीय घटना नहीं, बल्कि भक्ति, तपस्या, संयम और सृष्टि संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिव बिना शक्ति के "शव" हैं और शक्ति बिना शिव के "निष्प्रभावी"। दोनों का मिलन ही सृष्टि के संतुलन का आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि गाय, गंगा और ब्राह्मण का कभी अपमान नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये तीनों पूजनीय हैं।

कथा में उन्होंने बताया कि माता पार्वती का पूर्व जन्म दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के रूप में हुआ था। सती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया, लेकिन पिता दक्ष द्वारा शिवजी का अपमान किए जाने पर वे यज्ञकुंड में स्वयं को भस्म कर बैठीं। इसके बाद शिवजी विरक्त होकर तपस्या में लीन हो गए।

कालांतर में सती ने हिमवान और मेना के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया और भगवान शिव को पुनः पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की। उनकी अटूट भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने अंततः उनसे विवाह किया।

कथा व्यास ने कहा कि शिव–पार्वती विवाह यह संदेश देता है कि सच्चा प्रेम केवल रूप से नहीं, बल्कि तप, त्याग और अटूट विश्वास से प्राप्त होता है। जहाँ प्रेम में भक्ति और भक्ति में धैर्य हो, वहाँ सृष्टि भी झुक जाती है।

कथा प्रतिदिन संध्या सात बजे से प्रारंभ होती है। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ठाडीहाट गांव के ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा।

विश्व हिंदू परिषद जिला कार्यालय में बैठक का आयोजन,आगामी कार्यक्रम पर चर्चा

» 19 मार्च से 2 अप्रैल तक रामगढ़ जिले में 125 स्थानों पर रामोत्सव कार्यक्रम मनाने का लक्ष्यः छोटू वर्मा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला कार्यालय में रविवार को आगामी कार्यक्रमों को लेकर विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला कार्यकारी अध्यक्ष अतुलेश सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुरुआत ओम् के उच्चारण और श्री राम जय राम के जयघोष के साथ किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच विहिप रामगढ़ जिला मंत्री छोटू वर्मा ने रामोत्सव सहित आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा कर रुप रेखा किया गया। जिला मंत्री छोटू वर्मा ने बताया कि इस वर्ष रामगढ़ जिले में धूमधाम से रामोत्सव का कार्यक्रम जिला, प्रखंड, पंचायत एवं ग्राम स्तर तक कार्यक्रम किया जाएगा। इस वर्ष रामोत्सव कार्यक्रम 19 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक मनाया जाएगा। रामगढ़ जिले में 125 स्थानों पर रामोत्सव कार्यक्रम मनाने का लक्ष्य रखा गया है। रामोत्सव के तहत लोगों को राम जी के आदर्श जीवन चरित्र के बारे में लोगों को बताया जाएगा साथ ही पर्यावरण संरक्षण के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर विहिप सह मंत्री तरुण वर्मा,बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर,जिला सत्संग प्रमुख संतोष सिंह,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दानिश पटेल, पूर्व गौरक्षा प्रमुख गौतम मिश्रा, बलोपासना केंद्र प्रमुख सनी महतो सहित अन्य मौजूद थे।

आयुर्वेदिक दवा के उपयोग से मरीजों का स्वास्थ्य होगा बेहतर : मलेश्वर नायक

» सुकरीगढ़ा में हुआ शशि आयुर्वेद केंद्र का उद्घाटन, आयुर्वेदिक दवा का उपयोग करने की हुई पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पा : सुकरीगढ़ा स्थित पनशाला के समीप रविवार को शशि आयुर्वेद केंद्र का उद्घाटन किया गया। उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मुखिया प्रतिनिधि मलेश्वर नायक व विशिष्ट अतिथि चितरपुर इंटर कॉलेज के प्राचार्य रणवीर कुमार, आयुर्वेदाचार्य डॉ सुदर्शन महतो द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि सुकरीगढ़ा जैसे छोटे से गांव में आयुर्वेद केंद्र का उदघाटन होने से मरीजों को काफी फायदा होगा। उन्हें अपने इलाज के लिए रांची या रामगढ़ नही जाना पड़ेगा। यहीं पर मरीज अपना इलाज करवाकर दवा भी लें सकते हैं। वही आयुर्वेदाचार्य डॉ सुदर्शन महतो ने कहा कि यहां मरीजों को उचित दर पर दवा उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि सभी लोग आयुर्वेदिक दवा का उपयोग कर सके। साथ ही उन्होंने कहा कि गांव पंचायत के लोगों को आयुर्वेद के बारे में जानकारी दी जाएगी। ताकि ज्यादा से ज्यादा मरीज आयुर्वेद दवाओं का इस्तेमाल कर सके। मौके पर दिलीप महतो, जीतू देवी, शांति देवी, कंचन महतो, सरिता देवी, गुरुचन्द्र महतो, रामचन्द्र महतो, सिंटू महतो, कलझु मुण्डा, पिंटू मुण्डा, विशाल महतो, टिकाराम महतो, किरण देवी, लीला देवी, पूनम देवी, आकाक्ष कुमारी, वीणा देवी, मनिशा देवी, गीता देवी, पंचमी देवी, पार्वती देवी, मीनी देवी, दीपक मुण्डा, अभिषेक कुमार, संदीप कुमार सहित कई मौजूद थे।

संताल परगना महाविद्यालय, दुमका में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः संताल परगना महाविद्यालय, दुमका में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खिरोधर प्रसाद यादव ने की। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, समानता और शिक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्राचार्य डॉ. खिरोधर प्रसाद यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार और अवसरों को सुनिश्चित करने की प्रेरणा का दिन है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के अवसर नहीं मिलेंगे तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज महिलाएँ शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। कार्यक्रम में अन्य उपस्थित वक्तागण ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी से ही एक समतामूलक समाज का निर्माण संभव है। समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके अधिकारों तथा अवसरों की समानता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर दुमका की बेटी सुदीपा दत्ता के संघर्ष और सफलता का विशेष रूप से उल्लेख किया गया, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 41वाँ रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वक्ताओं ने कहा कि सुदीपा दत्ता की उपलब्धि महिला सशक्तिकरण का एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो यह दर्शाती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. पूनम बिंझा, डॉ. कुमार सौरभ, डॉ. प्रतिभा टुडू, डॉ. यदुवंश यादव, डॉ. कमल शिवकांत हरि तथा महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक ने किया 20 किलोमीटर लंबी सड़क का शिलान्यास, बंगाल बॉर्डर से सीधा जुड़ेगा क्षेत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तालगड़िया : चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए आवागमन और व्यापार के नए द्वार खुलने जा रहे हैं। पथ प्रमंडल बोकारो द्वारा मामरकुदर–बरमसिया होते हुए पश्चिम बंगाल बॉर्डर तक बनने वाली सड़क का विधिवत शिलान्यास पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक उमाकांत रजक ने किया। आईआरक्यूपी योजना के तहत निर्मित होने वाली यह सड़क लगभग 20 किलोमीटर लंबी होगी, जो क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि यह सड़क केवल एक मार्ग नहीं, बल्कि चंदनकियारी के आर्थिक और सामाजिक विकास की आधारशिला बनेगी। इसके निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों को न केवल बेहतर आवागमन मिलेगा, बल्कि पश्चिम बंगाल के साथ सीधा संपर्क स्थापित होने से सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेहतर सड़कों से शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक ग्रामीणों की पहुंच आसान हो जाती है। कार्यक्रम के लिए मामरकुदर मोड़ पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक रजक का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विश्वनाथ महतो, प्रकाश शर्मा, भोला नाथ गोप समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर कार्यक्रम, सशक्तिकरण पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला समाज कल्याण कार्यालय की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति टाउन हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त समीरा एस और उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त समीरा एस ने जिले की सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और महिला सशक्तिकरण तथा उनके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। उन्होंने डायन प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर महिलाएं महिला हेल्पलाइन के माध्यम से या सीधे जिला प्रशासन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी से संपर्क कर सकती हैं। प्रशासन महिलाओं की सहायता के लिए सदैव तत्पर है। साथ ही उन्होंने जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण कार्यालय की ओर से विभागीय योजनाओं से संबंधित जागरूकता स्टॉल लगाए गए, जिनमें पोषण से जुड़े पौष्टिक आहार और व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष तक के पहले 1000 दिनों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उपायुक्त समीरा एस और उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने स्टॉल का निरीक्षण कर जानकारी ली।

इस अवसर पर सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविका और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

महिला दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर, अधिकारों की दी जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों और पंचायत सचिवालयों में थाना प्रभारी व मुखिया की अध्यक्षता में पारा लीगल वॉलेंटियर द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं को उनके अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई तथा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया गया।

मेदिनीनगर महिला थाना प्रभारी रूपा बाखला ने कहा कि सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि महिलाएं खुद को कमजोर न समझें, कानून उनके साथ है और उन्हें हिंसा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने दहेज प्रताड़ना, डायन प्रथा, महिला हिंसा और नशा उन्मूलन के खिलाफ महिलाओं से आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है और युवा वर्ग इसकी चपेट में आकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहा है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से समूह बनाकर नशा के खिलाफ लोगों को जागरूक करने और नशा मुक्त पलामू बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

शिविर में महिला सशक्तिकरण, बाल विवाह रोकथाम, नशा उन्मूलन और महिला हिंसा रोकथाम से संबंधित विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। पारा लीगल वॉलेंटियरों ने डालसा द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए हैंडबिल और पंपलेट का वितरण किया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार में आवेदन देकर महिलाएं मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर पारा लीगल वॉलेंटियर इंदु भगत, सुखारी महेंद्र नाथ सिंह, प्रमोद शुक्ल, उर्मिला देवी, मुकेश मुंडा, विनय प्रसाद, चन्द्रदेव प्रजापति, शैलेंद्र कुमार पांडेय, सुमन्त कुमार मेहता, सतीश कुमार वैध, विकास कुमार, शैलेंद्र कुमार तिवारी, रविन्द्र कुमार सिंह, शैलेश कुमार पासवान, विकास कुमार, बसंती कुमारी सहित स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग, पुलिस कर्मी और महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य उपस्थित थीं।

न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ-रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो 'सामान्य दिशा-निर्देश जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है। बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी रहीं। उनका ही जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की 'सूक्ष्म निगरानी करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है। कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में 'सामान्य दिशा-निर्देश देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने इसकी पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वतः संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे 'न्यायिक सक्रियता कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपना रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा।

राज्यसभा के रास्ते नीतीश कुमार का वानप्रस्थ गमन!

मनोज कुमार अग्रवाल

नीतीश कुमार ने अब राज्यसभा का पर्चा भर कर वानप्रस्थ गमन का रास्ता चुन लिया है। पिछले करीब 20 सालों से बिहार की राजनीति के केंद्र में नीतीश कुमार का दबदबा रहा है। सरकारें बदलीं, गठबंधन बदले, चुनाव आए-गए, लेकिन एक छोटी सी अवधि को छोड़ दिया जाए तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार ही बने रहे। 2005 से बिहार की राजनीति का दिशा देने वाले इस नेता ने अब राज्यसभा जाने की तैयारी कर ली है, और इसके साथ ही सूबे की सियासत में एक बड़ा बदलाव शुरू होने वाला लगता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा राज्यसभा का नामांकन भरने से यह बात स्पष्ट हो गयी है कि बिहार की राजनीति से एक युग का अब अवसान होने जा रहा है। बिहार की राजनीति में पिछले दो दशकों से यदि किसी एक नेता का सबसे अधिक प्रभाव रहा है, तो वह नाम है नीतीश कुमार। वर्ष 2005 से लेकर अब तक बिहार की सत्ता का केंद्र लगभग लगातार उनके इर्द-गिर्द ही घूमता रहा है। अलग-अलग गठबंधनों, बदलते राजनीतिक समीकरणों और कई चुनावी उतार-चढ़ावों के बावजूद उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर अपनी पकड़ बनाए रखी। ऐसे में नीतीश के द्वारा मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने का ऐलान बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अगर देखा जाए लगभग साढ़े तीन दशकों तक बिहार की राजनीति दो नामों के इर्द-गिर्द घूमती रही, ये दो नाम हैं लालू प्रसाद यादव और नीतीश। इन दोनों नेताओं ने न केवल बिहार की सत्ता को आकार दिया, बल्कि राज्य की सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक दिशा भी तय की। अब जब दोनों ही नेता सक्रिय राजनीति से दूर हो रहे हैं, तब बिहार एक नए दौर के मुहाने पर खड़ा दिखाई दे रहा है। 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव सत्ता में आए, तब बिहार की राजनीति में एक नई सामाजिक चेतना का उदय हुआ। लालू ने सामाजिक न्याय को केवल एक राजनीतिक नारा नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक आंदोलन का रूप दिया। पिछड़े वर्गों, दलितों और वंचित समुदायों की राजनीतिक भागीदारी को उन्होंने केंद्र में रखा। लंबे समय से सत्ता के गलियारों से दूर रहे वर्गों को उन्होंने राजनीतिक पहचान और आवाज दी। सत्ता की भाषा बदली, राजनीतिक चेहरे बदले और शासन के केंद्र में सामाजिक प्रतिनिधित्व की नई धारा दिखाई देने लगी। इसमें कोई दोमत नहीं है कि जेपी आंदोलन से निकले नेताओं की एक पूरी पीढ़ी ने पिछले तीन दशकों तक बिहार की राजनीति को दिशा दी। अब समय में पुरानी पीढ़ी के पीछे हटने का अर्थ है कि बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के नेताओं को अवसर मिलेगा। इन सबके बीच अगर बात नीतीश की की जाए तो, बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका केवल एक मुख्यमंत्री की नहीं रही है, बल्कि वे लंबे समय तक राज्य की राजनीति के सर्वमान्य नेता रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के लोग भी उन्हें स्वीकार करते रहे हैं। गठबंधन की राजनीति में कई बार वैचारिक मतभेद होने के बावजूद उन्होंने गठबंधन धर्म निभाया और राजनीतिक संतुलन बनाए रखा। उनकी खास पहचान उनकी सामाजिक योजनाओं और प्रशासनिक छवि से बनी। खास तौर पर महिलाओं के बीच उनकी पकड़ काफी मजबूत रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं का समर्थन एनडीए की जीत का एक बड़ा कारण माना गया था। इसी कारण जब तक वह बिहार की राजनीति में सक्रिय थे, तब तक विपक्षी दलों के लिए उन्हें सीधे चुनौती देना आसान नहीं था। हालांकि, इसी दौर में बिहार की छवि पर कई सवाल भी उठे। कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई और जंगलराज जैसे शब्द राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन गए। विकास की रफ्तार धीमी पड़ने और उद्योगों के बंद होने से बिहार की अर्थव्यवस्था कमजोर होती गई। राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हुआ और बिहार प्रवासी मजदूरों के प्रदेश के रूप में पहचाना जाने लगा। चीनी मिलों, जूट फैक्ट्रियों और कई छोटे उद्योगों के बंद होने से रोजगार के अवसर घटते गए। इस दौर में बिहार की पहचान सामाजिक न्याय की राजनीति के साथ-साथ पिछड़ेपन और आर्थिक संकट से भी जुड़ने लगी। साल 2005 में बिहार की राजनीति ने एक बड़ा मोड़ लिया जब नीतीश कुमार सत्ता में आए। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव की शुरुआत भी थी। नीतीश कुमार ने सामाजिक न्याय की राजनीति को विकास और प्रशासनिक सुधारों के साथ जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी और बिहार में सड़कों तथा पुलों का व्यापक जाल बिछाया। राज्य के दूरदराज इलाकों को राजधानी पटना से बेहतर तरीके से जोड़ने का प्रयास किया गया। एक समय ऐसा था जब बिहार के कई जिलों से पटना पहुंचने में पूरा दिन लग जाता था, लेकिन सड़क नेटवर्क के विस्तार के बाद यात्रा का समय काफी कम हो गया। यह बदलाव केवल भौतिक संरचना का नहीं था, बल्कि राज्य की मानसिकत्ता और विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम था। नीतीश कुमार ने शासन को अधिक प्रशासनिक रूप देने की कोशिश की और कानून-व्यवस्था को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाया। उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं ने समाज पर गहरा प्रभाव डाला। छात्राओं के लिए साइकिल योजना ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया बदलाव लाया। पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण देने से स्थानीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा दिया। इन कदमों ने बिहार की सामाजिक संरचना को धीरे-धीरे बदलने में भूमिका निभाई। नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू के रूप में स्थापित हुई। उन्होंने प्रशासनिक सुधार, कानून-व्यवस्था और बुनियादी विकास को अपनी राजनीति का आधार बनाया। उनके शासनकाल में बिहार की छवि धीरे-धीरे बदलने लगी। रष्ट्रीय स्तर पर भी बिहार को विकास के नए प्रयासों के संदर्भ में चर्चा मिलने लगी। विहार के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा। बिहार में सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में जो बदलाव हुए, उससे राज्य में परिवर्तन आया। मगर भूलना नहीं चाहिए कि राजनीति में बदलाव हमेशा अनिश्चितता लेकर आता है। नीतीश के संभावित फैसले से भी बिहार की राजनीति में कई नए सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या जदयू अपनी पुरानी ताकत बनाए रख पाएगी? क्या भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चनाएगी ? क्या नई पीढ़ी के नेताओं को मौका मिलेगा ? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में नई भूमिका निभाएंगे ? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले समय में ही मिलेंगे। लेकिन इतना तय है कि कुमार का यह फैसला केवल एक व्यक्ति के पद परिवर्तन की कहानी नहीं है। यह बिहार की राजनीति के एक लंबे अध्याय के समापन और एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। आपको बता दें नीतीश का राज्यसभा जाना सिर्फ पद का बदलाव नहीं है; यह करीब 5 दशक लंबी राजनीतिक यात्रा का एक नया अध्याय भी हो सकता है। हाल ही में नीतीश कुमार ने खुद कहा है कि अपनी लंबी राजनीतिक जिंदगी में वे बिहार विधानसभा के सदस्य, विधान परिषद के सदस्य और लोकसभा के सांसद रह चुके हैं। अब वे राज्यसभा में भी सेवा देना चाहते हैं। और उसके बाद अगर उन्हें केंद्र सरकार में कोई भूमिका मिली, तो बिहार की राजनीति का यह बड़ा चेहरा फिर से राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिख सकता है। राजनीति में समय के साथ भूमिकाएं बदलती रहती हैं, लेकिन कुछ नेता ऐसे होते हैं जिनकी छाया लंबे समय तक बनी रहती है। नीतीश भी ऐसे ही नेताआ में गिने जाते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका चाहे समाप्त हो जाए, लेकिन बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी मौजूदगी आगे भी चर्चा और प्रभाव का विषय बनी रहेगी। चूंकि अब यह एक राजनीति की नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं, ऐसे में लंबे समय से केंद्र की राजनीति में प्रभाव रखने वाले कुमार के लिए राज्यसभा एक ऐसा मंच हो सकता है जहां से वे राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी भूमिका जारी रख सकें। 2020 के बाद एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। सीटों की संख्या साफ दिखा रही थी कि भाजपा के पास ज्यादा विधायक हैं, फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहे। आखिर ऐसा क्यों? इसके 2 मुख्य कारण अक्सर बताए जाते हैं। पहला कारण उनकी सामाजिक आधार है। बिहार में नीतीश कुमार ने अति पिछड़े वर्गों और महिला मतदाताओं से बहुत मजबूत जुड़ाव बनाया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन कार्यक्रम और सामाजिक परिवर्तन

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। यदि हम इन सौ वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। विचार, संगठन और कार्य के स्तर पर संघ ने निरंतर समाज जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया है। प्रारम्भ में सीमित दायरे में प्रारंभ हुआ संघ का कार्य समय के साथ व्यापक और बहुआयामी होता गया। समाज की बदलती आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हुए और समाज परिवर्तन के वाहक बने। संघ के मूल उद्देश्य के अनुरूप देश में हिंदुत्व के जागरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस जागरण का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों में दिखाई देने लगा है। जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर जो भेदभाव लंबे समय से समाज में मौजूद थे, उनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। अनेक राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अवसरों पर हिंदू समाज की एकता और संगठन की भावना स्पष्ट रूप से सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा तथा कुंभ जैसे विशाल आयोजनों ने समाज की एकता और आस्था को नई ऊर्जा दी है। इन अवसरों पर पूरे देश से आए लोगों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज में संगठन और आत्मविश्वास की शक्ति कितनी प्रबल है। संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल इतिहास की उपलब्धियों का वर्णन नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक प्रेरक संकल्प भी है। आज समाज में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम हैं। हिंदुत्व और भारतीय परम्पराओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही अधिक उजागर किया जाता था, जिससे समाज के अनेक लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों को सही रूप में समझ नहीं पाए। परंतु अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। लोग अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व अनुभव करने लगे हैं। आज अनेक परिवारों में अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह संस्कार तक भारतीय परंपराओं का पुनः सम्मानपूर्वक पालन किया जा रहा है। घर-परिवार में धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व दिया जाने लगा है। इस परिवर्तन का उद्देश्य केवल परंपराओं का पालन करना नहीं है, बल्कि एक सच्चरित्र, संस्कारित और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करना है। ऐसी पीढ़ी ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकती है और परिवार तथा समाज में सुख-शांति की स्थापना कर सकती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में एक विशेष पहल की है, जिसे "पंच परिवर्तन" कार्यक्रम कहा गया है। इस कार्यक्रम का आह्वान संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में ऐसे पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूकता और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है, जिनसे राष्ट्र जीवन को नई दिशा मिल सके। पंच परिवर्तन कार्यक्रम के पाँच प्रमुख आयाम हैं- नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वदेशी भावना और स्वावलंबन का विकास, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता की स्थापना।इन पाँचों आयामों का उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इन्हें जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। नागरिकों को कानून व्यवस्था का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। कुटुंब प्रबोधन इस कार्यक्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यदि परिवार में संस्कार, संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण होगा तो समाज स्वतः स्वस्थ और सुदृढ़ बनेगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य समय निकाल कर एक साथ बैठें, संवाद करें और अपने बच्चों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा दें। सप्ताह में कम से कम एक बार परिवार में धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन तथा बच्चों के साथ महापुरुषों के जीवन पर चर्चा जैसी छोटी-छोटी पहलें समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी पंच परिवर्तन का प्रमुख लक्ष्य है। समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। मंदिर, पानी और श्मशान जैसे विषयों में यदि कहीं भी भेदभाव की भावना शेष है, तो उसे समाप्त करना समाज का दायित्व है। सभी वर्गों के लोगों के साथ आत्मीयता और सम्मान का व्यवहार करना ही समरस समाज की आधारशिला है। त्यौहारों और सामाजिक अवसरों पर विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के घर जाएँ, एक साथ बैठें और परस्पर सम्मान का भाव रखें, यही सामाजिक एकता का वास्तविक स्वरूप है। पर्यावरण संरक्षण भी आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए अनिवार्य है। जल संरक्षण, हरियाली बढ़ाना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना जैसे छोटे-छोटे कदम पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यदि प्रत्येक परिवार यह संकल्प ले कि पानी का अपव्यय नहीं होगा, घर-आंगन में वृक्ष लगाए जाएंगे और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग कम किया जाएगा, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। स्वदेशी भावना का विकास भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। स्वदेशी का अर्थ केवल देश में बने उत्पादों का उपयोग करना ही नहीं है बल्कि आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करना भी है। जब देश का नागरिक स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देता है, तब देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसलिए स्वदेशी का आचरण घर से ही प्रारंभ होना चाहिए। इसके साथ-साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए भी सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। दहेज प्रथा, मृत्यु भोज जैसी परंपराएँ तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति जैसी समस्याएँ समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। इन कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। जब समाज की एकता, सजगता और निःस्वार्थ सेवा की भावना एक साथ कार्य करती है, तभी राष्ट्र सशक्त और वैभवशाली बनता है। भारत की सनातन संस्कृति "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश देती है, जिसमें सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। यही संस्कृति मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और निराशा से आशा की ओर ले जाने की प्रेरणा देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन दृष्टि से है, जिसे दुनिया हिंदुत्व के नाम से जानती है। इसी जीवन दृष्टि के आधार पर समाज को एक सूत्र में जोड़कर सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना संघ का मूल उद्देश्य रहा है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन धार्मिक आस्था और परोपकार के कार्यों में बीतेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा रहे तथा किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच समझकर लेने चाहिए।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज के दिन नई उर्जा से भरपूर रहेंगे। आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह सकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आज घर में माता पिता के सहयोग से आपका मनोबल बढ़ेगा। आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आज कार्यभार अधिक होने के कारण ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। छात्रों को आज पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जल्द ही सफलता मिलने के योग बने हुये है। इस राशि के अकाउंटेंट के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन रहने वाला है। आज आपकी कार्य योजनाओं से लोग जल्द ही सहमत होगें। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, सभी लोग हंसी खुशी रहेंगे। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा। आज अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण आपके भविष्य में आर्थिक मददगार सिद्ध होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन घूमने फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध हो सकती। आज आप ऑफिस में किसी रुके हुए काम को सहकर्मियों की मदद से समय पर पूर्ण कर लेंगे, इससे आपका आत्मविश्वास और सीनियर्स आपसे प्रभावित होंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कॉन्ट्रैक्टर्स को अच्छा खासा धनलाभ हो सकता है, यह आपके लिए आने वाले समय में बहुत फायदेमंद रहेगा। इस राशि के चिकित्सा क्षेत्र या डॉक्टर्स के लिए आज दिन काफी लकी साबित होगा उन्हें बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज इष्ट मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकता है जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आपका धन कहा खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाये रखने की जरूरत है नहीं, तो भविष्य में आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। अभिभावक अपने बच्चों पर परीक्षा की तैयारी संबंधी दबाव न बनाये, उन्हें सहज महसूस करवाए जिससे उनकी क्षमता प्रभावित न हो।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लेकर आया है। आप परिवारवालों के साथ ज्यादा वक्त बिताएंगे। आज आपके लिए फैसला करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं जाने का प्लान कैंसिल करना पड़ सकता है। क

कुंभ राशिः आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप किसी रिश्तेदार से मिलने उनके घर भी आज जा सकते हैं। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र पढाई को लेकर नयी योजनायें बनायेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। अगर आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आगे आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे।

अमेरिका के सामने झुक गया भारत ! आरोप और वैश्विक हकीकत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में आरोपों की कमी कभी नहीं रहती। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, किंतु जब आरोप तथ्यों और वैश्विक वास्तविकताओं से कटकर राजनीतिक बयान बन जाते हैं तब वे स्वभाविक तौर पर अपनी गंभीरता खो देते हैं। हाल के दिनों में कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया गया कि भारत की सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है, ठीक वैसा ही है। वस्तुतः यह आरोप सुनने में भले ही तेज और आक्रामक लगे, पर यदि इसे वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और दुनिया की वास्तविक परिस्थितियों की रोशनी में देखा जाए तो यह लगभग खोखला और निराधार प्रतीत होता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि दुनिया की शक्ति संरचना कैसी है। आज भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कुछ ही देश ऐसे हैं जिनका प्रभाव राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई देता है। अमेरिका उन देशों में सबसे प्रमुख है। उसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, उसकी तकनीकी कंपनियां वैश्विक नवाचार की दिशा तय करती हैं और उसकी सैन्य शक्ति का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश उसके साथ सहयोग और साझेदारी की कोशिश करते हैं। किसी देश की वास्तविक ताकत का सबसे बड़ा संकेत यह नहीं होता कि उसके बारे में राजनीतिक भाषणों में क्या कहा जा रहा है, वस्तुतः यह होता है कि दुनिया के लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। यदि हम इस कसौटी पर अमेरिका को देखें तो एक सच्चाई साफ नजर आती है। दुनिया भर के करोड़ों लोग आज भी अमेरिका को अवसरों की भूमि मानते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के कई देशों से लाखों लोग हर साल अमेरिका में पढ़ने, काम करने और बसने का सपना देखते हैं। यदि वैश्विक शक्ति के अन्य आयामों पर नजर डालें तो अमेरिका की बढ़त कई क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देती है। तकनीकी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां वहीं से निकली हैं और सिलिकॉन वैली आज भी नवाचार का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई शीर्ष विश्वविद्यालय अमेरिका में स्थित हैं और यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र वहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं। अर्थव्यवस्था के स्तर पर अमेरिकी डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में सबसे प्रभावशाली मुद्रा बना हुआ है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी गंतव्य बना हुआ है और वहां प्रवासी मूल के लोगों की संख्या करोड़ों में है। यह केवल कानूनी रास्तों तक सीमित नहीं है। अमेरिका मेक्सिको सीमा पर हर साल हजारों लोग अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कठिन रेगिस्तानी रास्ते, नदियों का जोखिम और सख्त सीमा सुरक्षा के बावजूद लोग उस दिशा में बढ़ते रहते हैं। कई बार यह प्रयास दुखद घटनाओं में बदल जाता है और कुछ लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। इसके बावजूद अमेरिका जाने का सपना खत्म नहीं होता। यह एक कठोर किंतु स्पष्ट सच्चाई है कि यदि कोई देश इतना महत्वहीन या कमजोर होता तब भला क्यों लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर वहां पहुंचने की कोशिश करते? अमेरिका की ताकत उसकी सेना या अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाएं हैं। वहां का संविधान, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों की व्यवस्था दुनिया में मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का उदाहरण मानी जाती है। इसी का एक ताजा उदाहरण जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को लेकर चल रही बहस है। अमेरिका में कई धार्मिक संगठनों ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की है कि जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रयास में "हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन" ने प्रमुख भूमिका निभाई है। इस संगठन ने सत्तावन धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में एक मित्र याचिका दायर की है। यह याचिका ट्रंप बनाम बारबरा नामक मामले में दी गई है जो इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। यह विवाद उस समय सामने आया जब दो हजार पच्चीस की शुरुआत में "डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन" ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने का प्रयास किया। अमेरिका के संविधान के चौदहवें संशोधन में स्पष्ट रूप से लिखा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिक माना जाएगा। यही प्रावधान अमेरिकी लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों में से एक है और इसी कारण इस विषय पर व्यापक बहस चल रही है। इस बहस में एक दिलचस्प पहलू यह भी सामने आया है कि हिन्दू समुदाय ने अपने तर्क यहां सिर्फ संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर ही सिद्ध करने के प्रयास नहीं किए हैं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर भी रखे हैं। "हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन" का कहना है कि हिंदू परंपरा पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की शिक्षा देती है। यह विचार महा उपनिषद में व्यक्त "वसुधैव कुटुंबकम" के सिद्धांत में मिलता है, जिसका अर्थ है कि उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। संकीर्ण सोच वाले लोग किसी को अपना और किसी को पराया मानते हैं लेकिन उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। इसी प्रकार तैत्तिरीय उपनिषद में "अतिथि देवो भव" का संदेश दिया गया है, जिसमें अतिथि को देवता के समान सम्मान देने की बात कही गई है। कहा गया है कि अतिथि को देवता के समान मानकर उसका सम्मान करना चाहिए। यह उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता के विचार और मूल्य आज भी दुनिया के दूसरे हिस्सों में बसे भारतीय समुदाय के जीवन और सोच का हिस्सा हैं। फाउंडेशन ने यह भी कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका में धार्मिक विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सभी तथ्यों के बीच भारत और अमेरिका के संबंधों को समझना भी जरूरी है। यह संबंध किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल की देन नहीं हैं। पिछले कई दशकों से भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। दो हजार आठ का भारत-अमेरिका असैनिक परमाणु समझौता इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रेग्नेंट नाबालिग का ऑपरेशन, नवजात को बेचने की साजिश, अस्पताल संचालक समेत 3 गिरफ्तार

पटना। पटना के गर्दनीबाग में 3 मार्च को एक नाबालिग लड़की अपने घर से गायब हो गई थी। इसके बाद परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। सचिवालय एसडीपीओ-1 डॉ. अनु कुमारी ने कहा कि जिस शख्स को नामजद किया गया था, जांच के दौरान पता चला कि उस युवती से उसका प्रेम-प्रसंग था। जांच में पता चला कि युवक को पता चला था कि नाबालिग प्रेग्नेंट है। इसके बाद युवक ने अपनी मां के साथ मिलकर युवती का अवैध तरीके से संजीवनी अस्पताल सर्जरी करा दिया। एक नवजात बच्ची हुई। जिसे युवक और उसकी मां फेंकने चाहते थे, लेकिन संजीवनी अस्पताल की ओर से बेचने की नीयत से अपहरण करके दूसरी जगह छिपा दिया गया। इस मामले में अस्पताल के संचालक को अरेस्ट कर लिया गया है। फिलहाल इस मामले में 3 लोगों को अरेस्ट कर जेल भेजा गया है। एसडीपीओ ने कहा कि अस्पताल के जब वैलिड डॉक्युमेंट्स मांगे गए तो कोई डॉक्यूमेंट प्रबंधन की ओर से उपलब्ध नहीं कराए गए। अस्पताल के लाइसेंस से संबंधित भी कागजात नहीं मिले। इस अस्पताल के खिलाफ पटना सिविल सर्जन और जिला दंडाधिकारी को भी पत्र लिखे गए हैं। पुलिस ने मासूम को बरामद कर लिया है और उसे CWC को दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ नाबालिग को भी बरामद कर लिया गया है। उसका बयान दर्ज हुआ है। सर्जरी महिला डॉक्टर को करनी थी, लेकिन पुरुष डॉक्टर ने ही नियमों को ताक पर रखकर सर्जरी कर दी, जो बिल्कुल गलत है। पुलिस की ओर से डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की छानबीन जारी है।

पहली पत्नी की डेथ एनिवर्सरी पर पवन सिंह का पोस्ट; ज्योति ने लिखा- आपकी जगह मुझे नहीं मिली

पटना। भोजपुरी एक्टर और सिंगर पवन सिंह ने अपनी पहली पत्नी नीलम देवी की डेथ एनिवर्सरी पर उनको याद किया है। पवन सिंह ने सोशल मीडिया X पर नीलम देवी की फोटो पोस्ट कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा, 'आपके बिना अधूरा हूं, अधूरा ही रहूंगा।' वहीं, पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति ने भी पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- आप जहां भी हो, भगवान अपने चरणों में स्थान दें। मुझे इस बात का अफसोस हमेशा रहेगा कि आपकी जगह मुझे कभी दिया ही नहीं गया। पवन सिंह और उनकी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। इसके बावजूद ज्योति सिंह ने दो दिन पहले अपनी वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पवन सिंह के साथ पुरानी तस्वीर साझा कर उन्हें शादी की सालगिरह की बधाई दी थी। ज्योति सिंह की ओर से शेयर की गई तस्वीर में दोनों काफी खुश नजर आ रहे थे। फोटो में ज्योति सिंह मैरून रंग की साड़ी पहने, मांग में सिंदूर लगाए हुए पवन सिंह की बाहों में मुस्कराती दिखाई दे रही थी। इस तस्वीर के साथ उन्होंने 'Happy Anniversary' लिखकर पवन सिंह को बधाई दी थी। नीलम देवी और पवन सिंह की शादी 2014 में हुई थी। शादी के तीन महीने बाद 8 मार्च, 2015 को नीलम ने मुंबई में पवन सिंह के फ्लैट में पंखे से लटककर सुसाइड कर लिया। इस आत्महत्या के बाद पवन सिंह का नाम विवादों में घिर गया था।

महिला दिवस पर लिए गए 5 संकल्पःएम्पावरमेंट और जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देने का टारगेट

हाजीपुर। वैशाली में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पांच प्रमुख संकल्प लिए गए। इन संकल्पों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा व भेदभाव को समाप्त करना है। पहले संकल्प में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना (MMRY) के माध्यम से अधिक महिलाओं को आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया गया। इसका लक्ष्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और श्रमबल में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। दूसरे संकल्प के अनुसार, महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न का विरोध किया जाएगा। साथ ही, 'सुरक्षित रास्ता विकास का रास्ता' संदेश को गांव, पंचायत और समाज में प्रसारित करने का आह्वान किया गया। तीसरे संकल्प में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए सजग रहने और कानून की जानकारी देने का प्रावधान है। इसमें अपने क्षेत्र में बाल विवाह न होने देने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। चौथे संकल्प के तहत, समाज में लैंगिक समानता, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य अन्य महिलाओं और बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है। अंतिम संकल्प में अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए एक सुरक्षित, सशक्त और समतामूलक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया है।

हाजीपुर सदर अस्पताल से बाइक चोरी, टोकन लेकर पार्किंग एरिया में खाड़ी की थी गाड़ी, काम से आया था हॉस्पिटल

हाजीपुर। हाजीपुर सदर अस्पताल परिसर से शनिवार दोपहर करीब 3 बजे एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। गोरौल थाना क्षेत्र के चांदपुरा कला गांव निवासी लालजी शाह ने इस संबंध में नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। लालजी शाह अपनी BR06Aw 3987 नंबर की मोटरसाइकिल से निजी काम के लिए अस्पताल आए थे। उन्होंने अस्पताल के मुख्य गेट पर पार्किंग का टोकन लेकर अपनी बाइक पार्किंग एरिया में खड़ी की थी। काम समाप्त होने के बाद जब वे वापस लौटे, तो मोटरसाइकिल गायब मिली। इस घटना के बाद मोटरसाइकिल मालिक लालजी शाह ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्किंग टोकन होने और गेट पर चार सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बावजूद बाइक कैसे चोरी हो गई। लालजी शाह ने सुरक्षा गार्डों पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि गार्डों ने कूपन की जांच क्यों नहीं की। यह घटना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सदर अस्पताल में पहले भी लगातार बाइक चोरी की घटनाएं होती रही थीं। इन पर अंकुश लगाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने पार्किंग टोकन सिस्टम शुरू किया था। इस सिस्टम के लागू होने के बाद दो महीने तक कोई बाइक चोरी नहीं हुई थी, लेकिन अब दो महीने बाद यह पहली चोरी की घटना सामने आई है। नगर थाना अध्यक्ष सिकंदर कुमार ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में टोकन लेकर बाइक खड़ी की गई थी, जिसके बाद वह चोरी हो गई। उन्होंने इस घटना के लिए अस्पताल में तैनात गार्डों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। थाना अध्यक्ष के अनुसार, गार्डों ने या तो ठीक से टोकन की जांच नहीं की या उनकी मिलीभगत से बाइक चोरी हुई है।

चरित्र प्रमाण-पत्र में देरी को लेकर 3 थानाध्यक्षों पर कार्रवाई

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक ने चरित्र प्रमाण पत्र बनाने में देरी के मामले में तीन थानाध्यक्षों पर आर्थिक दंड लगाया है। यह कार्रवाई बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के तहत की गई है। पुलिस अधीक्षक वैशाली ने 7 मार्च 2026 को ऑनलाइन चरित्र प्रमाण पत्र आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा की थी। इस दौरान पाया गया कि कुछ मामलों में निर्धारित समय-सीमा के बाद भी आवेदनों के निपटारे में देरी हुई थी। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, लालगंज, गोरौल और जुड़ावनपुर के थानाध्यक्षों पर पांच-पांच हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया है। यह राशि उनके वेतन से वसूल कर सरकारी खजाने में जमा की जाएगी। वैशाली पुलिस बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का निष्पादन 14 दिनों के भीतर करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा का पालन न करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर SBIOA पटना द्वारा Women Conclave का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

patna: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, पटना मंडल द्वारा आज दिनांक 08 मार्च 2026 को ए. एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट, पटना के सभागार में भव्य Women Conclave का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैंकिंग क्षेत्र में कार्यरत महिला अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली और कुल 350 से अधिक महिला अधिकारी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पटना विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो॰ नमिता सिंह थीं। कार्यक्रम में माननीय अतिथि के रूप में श्री अनुराग जोशी, मुख्य महाप्रबंधक, पटना सर्किल, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ॰ अंजली चंद्रा, मैक्स हॉस्पिटल उपस्थित रहीं। SBI पटना के CDO श्री देवेश मित्तल एवं पटना अंचल के DGM श्री मनीष कुमार सिंह भी कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित रहे । इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ के अध्यक्ष श्री अरिजीत बोस तथा महासचिव श्री अमरेश विक्रमादित्य भी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व क्षमता, कार्य-जीवन संतुलन तथा समाज और संस्थान के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि प्रो॰ नमिता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज की महिला केवल परिवार ही नहीं बल्कि समाज और संस्थानों के नेतृत्व में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने महिलाओं को अपने सामर्थ्य को पहचानने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

माननीय अतिथि श्री अनुराग जोशी ने महिला अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय स्टेट बैंक की प्रगति में महिला कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने महिलाओ को कार्यस्थल पर खुशी और जोश से कार्य करने के लिए प्रेरित किया और अपने लिए गुणवत्तापूर्ण समय निकालने की सलाह दी।

डॉ॰ अंजली चंद्रा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन तथा तनाव प्रबंधन के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव दिए और कार्य के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर SBIOA के अध्यक्ष श्री अरिजीत बोस तथा महासचिव श्री अमरेश विक्रमादित्य ने कहा कि यह Women Conclave महिलाओं के लिए एक ऐसा मंच है जहाँ वे अपने अनुभव साझा कर सकती हैं और एक-दूसरे से प्रेरणा प्राप्त कर सकती हैं। महासचिव ने महिलाओं को बैंक एवं संघ दोनों में नेतृत्व भूमिकाओं में आगे आने के लिए प्रेरित किया एवं समाज तथा संगठन में उनके अतुल्य योगदान की सराहना की. कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा तथा उपस्थित महिला अधिकारियों ने इसे अत्यंत सफल और सार्थक आयोजन बताया।

जल्ला हनुमान मंदिर में अब होगी नवग्रह शांति पूजा

एजेंसी, पटना

पटना के जल्ला हनुमान मन्दिर में नवग्रह पूजा की सुविधा मिलेगी। आज मूर्तियों की स्थापना होगी। मन्दिर परिसर में नवग्रह मंडप बनाकर वेदी पर 9 ग्रहों की स्थापना की जाएगी। प्रत्येक ग्रह की अलग-अलग मूर्ति, जो कसौटी पत्थर की है, महाबलीपुरम से मंगायी गई है। इस वेदी पर श्रद्धालु स्थापना के बाद ग्रह शान्ति और ग्रह-पूजन कर सकेंगे। महावीर मंदिर स्थान न्यास समिति की ओर से इसे संचालित किया जाएगा।

एक वेदी पर विभिन्न दिशाओं में मूर्तियां स्थापित होंगी: कल पंचांग-पूजा, मंडप-पूजा और मूर्तियों का अधिवास किया गया। आज एक वेदी पर विभिन्न दिशाओं में मूर्तियां स्थापित कर पूरे नक्षत्र-चक्र की भी स्थापना होगी। महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि, 'इस इलाके के लोगों को अब नवग्रह पूजा कराने में सहुलियत हो जाएगी। महावीर मन्दिर पटना के शोध पदाधिकारी पंडित भवनाथ झा

की देखरेख में यह स्थापना होगी। नवग्रह मूर्तियों की स्थापना के मौके पर भी काफी संख्या में भक्त मौजूद रहेंगे।'

पिछले साल महावीर मंदिर में हुई थी नवग्रह मंडप की स्थापना: पिछले साल महावीर मंदिर में भी नवग्रह मंडप की स्थापना की गई थी। मंडप के बीचों-बीच नवग्रह वेदी बनाई गई है, जिसमें सभी नौ ग्रहों की मूर्ति है। इसमें सभी ग्रहों की दिशाएं अलग-अलग है। इसमें सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु को शास्त्रीय विधि के अंतर्गत स्थापित की गई है। इस नवग्रह के चारों ओर 27 नक्षत्र का मंडल है। इसके अलावा एक शिवलिंग की भी स्थापना की गई है।

राज्यपाल की पत्नी समाजसेवी रेशमा आरिफ को मिला सम्मान

- विमेंस डे पर ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी का आयोजन, कई फेमस डॉक्टर्स रहीं शामिल

एजेंसी, पटना

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पटना ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ने होटल मौर्या में एक सीएमई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। सोसाइटी ने बिहार की पहली महिला और प्रसिद्ध समाजसेवी (राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां की पत्नी रेशमा आरिफ को सामाजिक कार्यों और महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में उनके प्रेरणादायक योगदान के लिए सम्मानित किया।

अध्यक्ष बोलीं- स्वास्थ्य सेवा मजबूत बना रही महिलाएं: इस मौके पर सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी ने कहा, आज के दौर में महिला डॉक्टर महिलाओं के सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहीं। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

डॉ. कुमकुम सिन्हा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड: सोसाइटी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कुमकुम सिन्हा को महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य और आजीवन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। इस कार्यक्रम में पटना की कई प्रतिष्ठित स्त्री-रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहीं, जिनमें पद्मश्री से सम्मानित डॉ. शांति रॉय, डॉ. मंजू गीता मिश्रा, डॉ. प्रमिला मोदी, डॉ. सुषमा पांडेय, डॉ. अलका पांडेय, डॉ. विनीता सिंह, निब्हा मोहन, डॉ. मीना सामंत, डॉ. रंजना सिन्हा सहित सोसाइटी के अन्य अनेक सम्मानित सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर महिला शक्ति की भावना का उत्सव मनाया गया। स्वास्थ्य सेवा और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं के समर्पण को सराहा गया।

पटना में ब्लैकमेलिंग में युवक की हत्या का खुलासा

न्यूड वीडियो भेज कर किया ब्लैकमेल, प्रेमिका और देवर ने मिलकर किया मर्डर

एजेंसी, पटना

पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में एक साल पहले मिले युवक के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पटना पुलिस ने जांच के बाद इस हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 18 मार्च 2025 को बरामद हुए इस शव की पहचान उस समय नहीं हो पाई थी। युवक की गला रेतकर हत्या की गई थी और शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे।

जहानाबाद के युवक की हुई पहचान: मामले की जानकारी देते हुए पूर्वी SP परिचय कुमार ने बताया कि, मृतक की पहचान जहानाबाद के महादेव शाह के तौर पर हुई है। पुलिस ने सीडीआर रिपोर्ट के आधार पर मृतक की प्रेमिका पुष्पा देवी, उसके देवर आलोक कुमार और एक ऑटो चालक सन्नी कुमार को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल इस घटना में

शामिल एक आरोपी फरार है।

ब्लैकमेल से परेशान था परिवार: पूछताछ में आरोपी आलोक ने पुलिस को बताया है कि, 'साल 2022 में पुष्पा देवी की शादी अभिमन्यु पासवान से हुई थी। शादी से पहले से ही महादेव शाह के संपर्क में थी। दोनों में प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी के बाद महादेव शाह भाभी को न्यूड वीडियो और तस्वीर भेज कर ब्लैकमेल कर रहा था। शादी के बाद भी संबंध बनाना चाहता था। इस बात से पूरा परिवार परेशान चल रहा था। 17 मार्च और 18 मार्च यानी घटना वाले दिन भाभी ने उसे फोन करके बुलाया था। मैं और मेरा दोस्त गांव के एक ऑटो में उसे बैठाकर सुनसान जगह पर ले गए और हत्या कर दी।'

दरोगा की तैयारी करने पटना आया था आरोपी: महिला का आरोपी देवर आलोक कुमार गांव में ही निजी मेडिकल क्लिनिक अपना चला रहा था। घटना के बाद मेडिकल दुकान बंद कर पटना में दरोगा की तैयारी करने चला आया। दूसरा आरोपी महेंद्रू इलाके में ही रहकर तैयारी कर रहा था।

गिरफ्तारी के वक्त छत से आरोपी ने लगाई छलांग: आलोक को पटना पुलिस ने महेंद्रू इलाके के हॉस्टल से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने हॉस्टल से छलांग लगा दी। जिसमें पैर की हड्डी टूट गई है। पुलिस को तीन मोबाइल फोन मिले हैं, जिसमें मृतक का भी एक टूटा मोबाइल शामिल है।

जदयू के नेताओं को थाने से छोड़ा गया, निशांत कुमार की जॉइनिंग से पहले पुलिस ले गई थी, हंगामे की आशंका थी

एजेंसी, पटना

पटना में जनता दल (यू) कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम से पहले जदयू के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस ने एहतियातन थाने में बैठा लिया। ये वही कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं जो पिछले एक साल से निशांत कुमार को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। सीएम के राज्यसभा जाने का विरोध कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस को आशंका थी कि कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यालय में विरोध या हंगामा हो सकता है, इसलिए एहतियात के तौर पर कुछ नेताओं को थाने में बैठाया गया।

संजय झा और ललन सिंह के विरोध की आशंका: सूत्रों का कहना है कि पुलिस को इस बात की जानकारी मिली थी कि जदयू कार्यालय में कुछ कार्यकर्ता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संजय झा और ललन सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए पुलिस ने पहले ही कुछ नेताओं

को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोक दिया और उन्हें थाने में बैठा दिया। हालांकि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोपहर करीब 3 बजे पुलिस ने सभी नेताओं को छोड़ दिया। इसके बाद ये नेता जदयू कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी।ॉ

नेताओं ने साजिश का लगाया आरोप: जदयू नेता चंदन पटेल ने कहा कि वह लोग पिछले दो साल से निशांत कुमार को राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस दिन उनकी पार्टी में जॉइनिंग थी, उसी दिन उन्हें साजिश के तहत थाने में बैठा दिया गया। चंदन पटेल ने कहा कि निशांत कुमार आज पार्टी में शामिल हुए, लेकिन उस ऐतिहासिक मौके पर वे लोग मौजूद नहीं रह सके। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें काफी दुख हुआ है। वहीं जदयू नेता वरुण कुमार ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वह लोग कई दिनों से इंजीनियर निशांत को राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। अब जब उन्होंने पार्टी जॉइन कर ली और सक्रिय राजनीति में कदम रखा, तो कुछ लोगों की साजिश के कारण उन्हें कार्यालय में आने ही नहीं दिया गया।

पीएम मोदी की तस्वीर से छेड़छाड़ के बाद बढ़ी सतर्कता: बताया जा रहा है कि बीते दिन पटना स्थित जदयू कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। तस्वीर पर कालिख पोत दी गई थी, जिसके बाद पार्टी और प्रशासन दोनों सतर्क हो गए थे। इसी घटना को देखते हुए पुलिस को आशंका थी कि कार्यक्रम के दौरान फिर से किसी तरह का विरोध या हंगामा हो सकता है। यही वजह थी कि जदयू के नेता चंदन पटेल और अभय पटेल समेत कुछ अन्य लोगों को एहतियातन थाने में बैठा कर रखा गया था।

निशांत ने जदयू जॉइन की

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार 8 मार्च यानी रविवार को JDU की सदस्यता ली। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं रहे। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। ललन सिंह ने उन्हें पार्टी का गमछा पहनाया। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद निशांत ने ललन सिंह और संजय झा के पैर छुए। निशांत ने कहा, 'मैं पार्टी के लिए मेहनत से काम करूंगा। मेरे पिताजी ने 20 साल में जो काम किए हैं, मैं उन्हें आगे बढ़ाऊंगा। राज्यसभा जाने का फैसला मेरे पिताजी का है। बिहार की जनता और देश की जनता से अपील करता हूं कि पिताजी पर विश्वास बनाए रखें।'

इससे पहले निशांत में अपने पिता नीतीश की स्टाइल में हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। वे सफेद कुर्ते और क्रॉक्स चप्पल में पहुंचे। इस दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार जिंदाबाद के नारे लगते रहे। बिहार की CM कैसा हो निशांत कुमार जैसा हो के भी नारे लगे। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता ललन सिंह

- बोले- पापा पर भरोसा रखिए, उनके काम को आगे ले जाऊंगा, पार्टी कार्यकर्ताओं-ललन सिंह समर्थकों में हुई मारपीट

जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिर्फ निशांत कुमार के समर्थन में नारे लगेंगे। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और ललन सिंह समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई।

कार्यकर्ताओं में मारपीट के दौरान जदयू ऑफिस में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि हंगामे के दौरान विधायक नचिकेता मंडल के साथ भी मारपीट की कोशिश की गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

पटना में 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटे

एजेंसी, पटना

बिहार के सभी शहरों में अवैध होर्डिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग मामले में लगभग 20 लाख रुपए दंड राशि की वसूली की गई है। वहीं, पटना नगर क्षेत्र में अभी तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग हटाने के लिए नोटिस भेजा जा चुका है। पटना नगर निगम के अंतर्गत अबतक 54 विज्ञापन एजेंसियों का 107.12 करोड़ रुपए बकाया है, जिसके भुगतान के लिए नोटिस भेजा गया है।

पटना में सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस भेजा गया है। पटना नगर निगम क्षेत्र

में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों, निजी भवन या अन्य स्थानों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल, होर्डिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर बिना वैध अनुमति लगाए गए होर्डिंग के विरुद्ध नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं से विभाग राजस्व गबन करने वाले आर्थिक अपराधी की तरह निपटने की तैयारी कर रहा है।

चैती छठः पांच करोड़ में तैयार होंगे पटना के घाट

एजेंसी, पटना

चैती छठ 2026 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना नगर निगम ने भी अपनी कमर कस ली है। 20 मार्च तक घाटों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर के विभिन्न अंचलों में घाटों की सफाई, सुरक्षा और सुंदरीकरण होगा। तैयारियों के तहत घाटों पर अस्थायी बैरिकेडिंग, दलदली क्षेत्रों में बालू भराई, बांस की चाली बिछाने, लाइटिंग आदि की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। घाट निर्माण के साथ साज-सज्जा, अतिरिक्त लाइटिंग और पार्किंग जैसे कामों को 22 मार्च तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

पाटलिपुत्र अंचल में बड़े पैमाने पर की जा रही तैयारी: पाटलिपुत्र अंचल में चैती छठ की तैयारियां सबसे बड़े पैमाने पर की जा रही हैं। इस अंचल के प्रमुख घाटों के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया

है। इसके तहत पाटीपुल पूर्वी व पश्चिमी घाट, कलेक्ट्रेट घाट, बांसघाट, एलसीटी घाट और घाट संख्या 93, 88 और 83 पर विशेष सुधार कार्य कराए जाएंगे।

अजीमाबाद अंचल से लेकर पटना सिटी के घाटों पर काम जारी: अजीमाबाद अंचल के गाय घाट, सीढ़ी घाट और महाराज घाट से लेकर पटना सिटी के कंगन घाट व अन्य को तैयार किया जाएगा। कंकड़बाग अंचल में पार्कों के भीतर बने तालाबों को व्रतियों के लिए तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही नूतन राजधानी अंचल के महुआबाग, बीएमपी-5,

- पाटलिपुत्र अंचल में 1.72 करोड़ का बजट तय, 20 मार्च तक काम पूरा करने का डेडलाइन

पटना जू, मानिकचंद तालाब, पंच मंदिर, बेउर और अदालतगंज तालाब जैसे प्रमुख के लिए करीब 72 लाख रुपये रुपये खर्च किए जाएंगे।

काली घाट से पथरी घाट तक 97.79 लाख से संवरेंगे घाट: बांकीपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 97 लाख 79 हजार रुपए की योजना बनाई गई है। इसमें काली घाट, कदम घाट, पटना कॉलेज घाट, गांधी घाट और लॉ कॉलेज घाट जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं। काली घाट से लेकर पथरी घाट तक के पूरे स्ट्रेच को एलईडी लाइट्स से रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही कदम घाट से चौधरी टोला घाट के बीच स्थित सभी सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत और सफाई का जिम्मा भी लिया गया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सप्तसागर दवामंडी में नगर निगम की टीम के सामने दुकानदारों ने किया हंगामा

वाराणसी। मैदागिन स्थित सप्तसागर दवामंडी में शनिवार को नगर निगम की टीम के सामने दुकानदारों ने हंगामा किया। कोतवाली जोनल अधिकारी मृत्युंजय नारायण मिश्रा से दुकानदारों की करीब घंटे भर नोकझोंक हुई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। नगर निगम की ओर से संबंधित बकायेदारों को नोटिस दिया गया था। जोनल अधिकारी मृत्युंजय नारायण मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष अक्टूबर और दिसंबर माह में भी नोटिस जारी कर गृह कर जमा करने की चेतावनी दी गई थी, बावजूद कई भवन स्वामियों ने बकाया राशि जमा नहीं की। दोपहर के समय निगम की टीम सप्तसागर दवा मंडी में 1.34 लाख के बकायेदार मकान नंबर 18/118ए पर पहुंची। नगर निगम की टीम मकान में रहने वालों से बकाया वसूली की बात करने के साथ ही दुकानों को बंद कराने लगी। इस पर दुकानदार भड़क गए। दुकानदारों का कहना था कि वह दुकान का पूरा किराया मकान मालिक को देते हैं। फिर उनकी दुकानें क्यों बंद कराई जा रही हैं। आसपास के दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए। उधर, हंगामे की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दुकानदारों को शांत कराया। नगर निगम की टीम लौट गई। कोतवाली इंस्पेक्टर दया शंकर सिंह ने बताया कि गृह कर वसूली को लेकर कुछ देर तक हंगामा हुआ था। लोगों को शांत करा दिया गया।

परमहंस योगानंद ने गुरु युक्तेश्वर से 10 साल सीखे योग के गुर

गोरखपुर। क्रियायोग परंपरा में मार्च का महीना दो महान संतों की दिव्य स्मृति को जागृत करता है। योगानंद के गुरु युक्तेश्वर गिरि ने योगानंद को दस वर्षों तक प्रशिक्षित किया था।आध्यात्मिक जगत के विख्यात संत और विश्वप्रसिद्ध ग्रंथ ''''योगी कथामृत'''' के लेखक परमहंस योगानंद ने सात मार्च 1952 को महासमाधि ली थी, जबकि कोलकाता के रहने वाले उनके गुरु स्वामी युक्तेश्वर गिरि ने नौ मार्च 1936 को महासमाधि में प्रवेश किया था। क्रियायोग परंपरा में गुरु के देह त्याग की अवस्था को ''''महासमाधि'''' कहा जाता है, जब एक सिद्ध योगी पूर्ण चेतना के साथ अपनी नश्वर देह का त्याग करता है। बताया जाता है कि दोनों ही गुरुओं ने शरीर त्यागने से पूर्व अपने शिष्यों को यह आश्वासन दिया था कि वे सदैव उनके साथ रहेंगे और आध्यात्मिक मार्ग पर उनका मार्गदर्शन करते रहेंगे। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य सुधीर यादव ने बताया कि योगानंद ने अपनी एक कविता में लिखा था कि वे अपने शिष्यों के साथ अदृश्य रूप से चलेंगे और उनकी रक्षा करेंगे। योगानंद की अपने गुरु युक्तेश्वर गिरि से पहली भेंट 17 वर्ष की आयु में वाराणसी में हुई थी। उस समय वे अपने सच्चे गुरु की खोज में थे। युक्तेश्वर ने लगभग दस वर्षों तक उन्हें कठोर अनुशासन और आध्यात्मिक प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं बल्कि क्रियायोग के वैश्विक प्रसार के लिए था। क्रियायोग को तेज आध्यात्मिक उन्नति का वैज्ञानिक मार्ग माना जाता है।

महासमाधि दिवस पर कार्यक्रम आज – सुधीर यादव ने बताया कि परमहंस योगानंद की महासमाधि को क्रियायोग की शक्ति का अद्भुत उदाहरण माना जाता है। उनके देह त्याग के कई दिनों बाद भी शरीर में किसी प्रकार के क्षय के संकेत नहीं पाए गए, जिसे आध्यात्मिक जगत में योग और ध्यान की प्रभावशाली साधना का प्रमाण माना जाता है। दोनों गुरुओं की महासमाधि पर कार्यक्रम रविवार को होगा।

जीएसटी अफसर बनकर सराफा व्यापारी से की थी टप्पेबाजी, दो गिरफ्तार

गोरखपुर। राजघाट थाना क्षेत्र में खुद को जीएसटी अधिकारी बताकर सराफा व्यापारी से 9.50 लाख रुपये की टप्पेबाजी के दो आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। राजघाट इलाके से पकड़े गए इन आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के टावर मोहल्ला पिपरिया निवासी हैदर अली व बाराबंकी के गढ़ी जलालपुर निवासी मुस्तफा अली के रूप में हुई। आरोपियों के पास से 1.80 लाख रुपये नकद, घटना में इस्तेमाल कार व बाइक बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार, पीपीगंज इलाके के मोहम्मदपुर पचवारा खास गांव निवासी सराफा व्यापारी बलिराम जायसवाल के कर्मचारी संजय पाल 30 जनवरी की सुबह दुकान से 9.50 लाख रुपये लेकर गीताप्रेस रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक में जमा करने के लिए निकले थे। संजय मुंबई क्लॉथ हाउस, कालीबाड़ी मंदिर के पास पहुंचे तभी पुलिस की वर्दी जैसी पैंट और जैकेट पहने टप्पेबाजों ने उन्हें रोक लिया। खुद को जीएसटी अधिकारी बताते हुए जालसाजों ने रुपयों के बारे में पूछताछ करते हुए जीएसटी से संबंधित दस्तावेज मांगे। इसके बाद रुपयों से भरा बैग ले लिया और भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की गई।

राष्ट्रपति कार्यालय से तय हुआ द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम

19 मार्च की सुबह पहुंच जाएंगी रामनगरी

लखनऊ। राम मंदिर निर्माण से जुड़ी भवन निर्माण समिति की बैठक रविवार को भी जारी है। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मीडिया को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदी नव वर्ष के अवसर पर 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अयोध्या दौरा प्रस्तावित है। राष्ट्रपति कार्यालय से कार्यक्रम को लेकर सहमति मिल चुकी है। राष्ट्रपति लगभग चार घंटे तक राम जन्मभूमि परिसर में रहेंगी। इस दौरान मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार राम मंदिर निर्माण का कार्य करीब पांच वर्षों में पूरा हुआ है। निर्माण से जुड़ी प्रमुख संस्थाओं एलएंडटी और टीसीएस को 15 मई तक औपचारिक रूप से अवमुक्त किया जाएगा। मंदिर परिसर में गैलरी का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें मंदिर निर्माण की पूरी यात्रा को दर्शाया जाएगा। इस तकनीक पर रविवार को हो रही बैठक में चर्चा होगी। सुरक्षा के लिए करीब चार किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक बाउंड्री वॉल का निर्माण इंजीनियर्स इंडिया की ओर से कराया जा रहा है। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान श्रद्धालु राम लला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष योजना बनाई जा रही है। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद उप मंदिरों में शुरू हो जाएंगे दर्शन

राम मंदिर परिसर में चल रही भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक का शनिवार को दूसरा दिन रहा। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मीडिया को कई अहम जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित अयोध्या दौरे और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति 19 मार्च को सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर परिसर पहुंचेंगी और लगभग चार घंटे तक वहीं रहेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर की व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह खोल दी जाएंगी। इसके बाद प्रतिदिन लगभग पांच हजार श्रद्धालु पास के आधार पर परकोटा सहित परिसर के सभी मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे।

प्रदेश में 18 मार्च से होगा बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन, शिक्षक नहीं ले जा सकेंगे ये सामान

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा-2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होकर एक अप्रैल तक प्रदेश के 249 मूल्यांकन केंद्रों पर किया जाएगा। मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह गोपनीय और पारदर्शी बनाए रखने के लिए परिषद ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य होगा। किसी भी स्तर पर मौखिक, लिखित, डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उत्तर पुस्तिका अथवा मूल्यांकन से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। गोपनीयता भंग होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मूल्यांकन कार्य की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। वहीं, प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर जिलाधिकारी द्वारा स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। मूल्यांकन कार्य वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराया जाएगा। इसकी कनेक्टिविटी जनपद तथा राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से होगी।

मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों और कर्मचारियों को मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मूल्यांकन कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मूल्यांकन केंद्रों की सुरक्षा के लिए अवांछनीय तत्वों पर नजर रखने हेतु एलआईयू और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की जाएगी। मूल्यांकन कार्य समाप्त होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के बंडलों को परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक ट्रक के साथ दो सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। परिषद के अनुसार, 17 मार्च को सभी मूल्यांकन केंद्रों पर उप नियंत्रक द्वारा मूल्यांकन कार्य में लगाए गए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा शिक्षकों को परिचय पत्र भी जारी किए जाएंगे।

खंगाली जा रही सीसीटीवी फुटेज, 10 दिन के अंदर दाखिल होगी चार्जशीट

गोरखपुर। मोहद्दीपुर में चारफाटक ओवरब्रिज पर बुधवार रात हुए भीषण हादसे की जांच पुलिस ने और तेज कर दी है। पुलिस अब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से जांच कर रही है कि गाड़ी में उस दौरान कोई और भी बैठा था या नहीं। साथ ही 10 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार, प्रॉपर्टी डीलर गोल्डेन साहनी की तेज रफ्तार लग्जरी कार ने स्कूटी और अन्य वाहनों को टक्कर मारी थी, जिसमें बीआरडी मेडिकल कॉलेज के तृतीय वर्ष के छात्र आकाश पांडेय की मौके पर मौत हो गई और बिजली के ठेकेदार उमेश शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनकी एम्स में मौत हो गई। हादसे के बाद शाहपुर थाना पुलिस ने गोल्डेन साहनी को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था। प्रारंभिक तहरीर में हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया था लेकिन उमेश शर्मा की मौत के बाद इसे हत्या की धारा में बदल दिया गया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय लग्जरी कार में गोल्डेन के अलावा और कौन-कौन लोग मौजूद थे। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ से शुक्रवार को एमबीबीएस छात्रों ने जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल से लेकर नौसड़ तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और सभी साक्ष्य जुटाकर 10 के भीतर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा।

कानपुर में दुष्कर्म का आरोप लगा महिलाओं ने चप्पलों से की वैज्ञानिक की पिटाई, रिपोर्ट दर्ज

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां एक वैज्ञानिक की महिलाओं ने चप्पलों से जमकर पिटाई कर दी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। वैज्ञानिक की पिटाई की यह घटना घाटमपुर तहसील परिसर में हुई ,जहां महिला और उसकी दो बेटियों ने झांसी में तैनात फॉरेंसिक वैज्ञानिक की चप्पलों से पिटाई कर दी।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक घाटमपुर तहसील परिसर में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक महिला और उसकी दो बेटियों ने झांसी में तैनात फॉरेंसिक साइंस विभाग के वैज्ञानिक की चप्पलों और लात-घूंसों से पिटाई कर दी। इस मारपीट का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने वैज्ञानिक की तहरीर पर महिला और उसकी दोनों बेटियों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के समय महिला अपनी बेटियों के साथअदालत में तारीख पर आई हुई थी। उसका गांव के ही एक व्यक्ति से जमीन को लेकर सिविल कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। उसी दौरान झांसी में तैनात फॉरेंसिक साइंस विभाग के वैज्ञानिक संतोष कुमार कुरील भी तहसील परिसर में मौजूद थे।

वैज्ञानिक संतोष को देखकर उसे महिला ने उन पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनसे बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और महिला व उसकी दोनों बेटियों ने संतोष को पकड़कर कार से बाहर खींच लिया। इसके बाद तीनों ने मिलकर उन्हें चप्पलों, लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया।

इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को घाटमपुर थाने ले आई। वैज्ञानिक संतोष कुमार कुरील की तहरीर पर पुलिस ने महिला और उसकी दोनों बेटियों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं महिला का कहना है कि जमीन के मामले में मदद करने की आड़ में संतोष कुरील ने करीब दो वर्षों तक उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने बताया कि इस संबंध में पहले भी घाटमपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। उसके मुताबिक जांच के परिणाम के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी।

ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के विरोध में रखा मौन उपवास

वाराणसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई के विरोध में साझा संस्कृति मंच और कांग्रेस ने शनिवार को आंबेडकर पार्क कचहरी में सुबह 10 बजे से अपराह्न 3 बजे मौन उपवास रखा। कार्यक्रम में शहर के सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों और नागरिकों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस के महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि ओमान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता के बीच, युद्ध की घोषणा किए बिना ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने वेनेजुएला के खिलाफ एकतरफा सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव की भी आलोचना की। महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के नेतृत्व में चला भारत का स्वतंत्रता संग्राम साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष, विविधता में एकता और सर्वधर्म समभाव का प्रतीक रहा है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुराधा यादव, फादर आनंद, जागृति राही, रामधीरज आदि मौजूद रहे।

ईडी की जांच के बीच सहारा कर रहा है अपनी संपत्तियों की बिक्री

कई प्रॉपर्टियों की हो गई है डीलः लगी रोक

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के बीच सहारा समूह की संपत्तियों की बिक्री की जा रही है। राजधानी में भी ऐसी संपत्तियों की डील हुई है। इसमें आईआईएम रोड पर स्थित एक संपत्ति भी शामिल है। अन्य प्रदेशों में इस तरह का खेल उजागर होने के बाद ईडी और सक्रिय हो गई है। एक साथ सभी संपत्तियों की जांच शुरू की है। जो भी खरीद-फरोख्त में शामिल होगा उस पर कार्रवाई होगी। सहारा समूह के खिलाफ देश भर में सैकड़ों केस दर्ज हैं। ईडी भी मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर तफ्तीश कर रही है। तमाम संपत्तियों के अटैच करने के आदेश भी जारी हो चुके हैं। इस बीच समूह से जुड़े अधिकारी संपत्तियों की बिक्री करनी शुरू कर दी है। पिछले महीने उड़ीसा, कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में जब ईडी ने छापा मारा और जांच की तो पता चला कि जब्तशुदा अरबों रुपये की जमीन बेच दी है। सूत्रों के मुताबिक राजधानी लखनऊ में भी ऐसी संपत्तियों की डील की जा रही है। संपत्तियों की बिक्री कर मोटी रकम पार करने की फिराक में समूह के लोग लगे हैं। आईआईएम रोड स्थित सहारा की बड़ी संपत्ति की बिक्री की डील एक बड़े बिल्डर ने की है। जांच एजेंसी को इसकी भनक लग गई है। जांच भी शुरू हो गई है।

डील कहां तक पहुंची, इसका पता कर रही एजेंसी – प्रकरण में अब तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि डील कहां तक पहुंची है। रकम का लेनदेन हो चुका है या नहीं। कागजी कार्यवाही क्या हुई? आदि सवालों के जवाब जांच एजेंसी पता कर रही है। जिस बिल्डर से डील हो रही है उस पर करीब डेढ़ साल पहले आयकर के छापे भी पड़ चुके हैं। सुल्तानपुर रोड पर उसकी बड़ी टाउनशिप भी है।

फिर आ सकती है टीम – ईडी की टीम शुक्रवार को सहारा शहर पहुंची थी। नगर निगम की टीम ने सील खुलवाने के बाद कई घंटे तक छानबीन की थी। कई अहम दस्तावेज जब्त कर गई थी। उन दस्तावेजों से मिली जानकारी के आधार पर जांच जारी है। सूत्रों के मुताबिक जांच टीम फिर सहारा शहर आ सकती है।

ब्राह्मण महिला संगठन ने मनाया होली मिलन समारोह

वाराणसी। संस्कार ब्राह्मण महिला संगठन की ओर से शनिवार को सिगरा स्थित एक होटल में होली मिलन समारोह मनाया गया। संगठन की अध्यक्ष अंशुमाला ने अतिथियों का स्वागत किया। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिलाओं के जीवन पर आधारित मंचन किया गया।

प्रदेश में सक्रिय हुआ अलनीनो

इस बार मार्च में 40 के पार जा सकता है पाराः चार डिग्री तक बढ़ सकता है तापमान

लखनऊ। तापमान में धीरे-धीरे ही सही लेकिन बढ़ोतरी का क्रम जारी है। प्रदेश में शनिवार को लगभग सभी जिलों में तापमान में आंशिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को झांसी में सबसे अधिक तापमान 36.6 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक रहा। दूसरे नंबर पर आगरा रहा जहां अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को भी तापमान में आंशिक बढ़ोतरी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहने के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि आगामी चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की क्रमिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस वजह से तापमान सामान्य से काफी अधिक बना रहने से मौसम अपेक्षाकृत गर्म रहने के आसार हैं। गर्मी कुछ दिनों में ही अपना असर तेज कर सकती है।

अलनीनो हुआ सक्रिय, मार्च में 40 डिग्री पार होगा पारा – इस साल मार्च से ही गर्मी बढ़ जाएगी। इस महीने ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो सकता है। गर्मी और सूरज की किरणों की तपिश तेजी से असहनीय हो सकती है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक ने पारा बढ़ने के पीछे तीन बड़ी वजहें बताई हैं... कमजोर पश्चिमी विक्षोभ, अलनीनो का सक्रिय होना और अगले कई दिनों तक मौसम बिल्कुल साफ रहना, जिससे सूरज की किरणें धरती पर बिना किसी रुकावट के पहुंचेगी और गर्मी तेज होगी। 25 मार्च या इसके आसपास तापमान 40 डिग्री को पार कर सकता है। इसके बाद अलनीनो इस बार के मानसून को भी प्रभावित कर सकता है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, प्रशांत महासागर में अभी तक अलनीनो न्यूट्रल स्थिति और लानीना कमजोर थी। लेकिन अलनीनो का प्रभाव बढ़ेगा। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के चलते हवा की गति धीमी होगी। दूसरा, मौसम साफ रहने से सूरज की किरणों का ताप काफी बढ़ जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले 7-8 साल से लगातार मार्च का पारा 40 डिग्री के पार जा रहा है। अभी तक मार्च में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस 27 मार्च 2010 को गया था। पिछले 14 साल में तापमान तीन बार 40 डिग्री के ऊपर और तीन बार 41 डिग्री से ज्यादा रहा है। 2020 में 36 डिग्री, 2015 में 37.9 डिग्री, 2014 में 38.4 डिग्री और 2013 में 36.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 1981 से 2010 के बीच 30 साल में मार्च का औसत अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री और औसत न्यूनतम 16.3 डिग्री सेल्सियस रहा है।

- **आगामी 7 दिन साफ मौसम भी बढ़ाएगा गर्मी** – मार्च में औसत बारिश 6.8 मिलीमीटर रही है, जबकि इस बार अभी तक कोई बारिश नहीं हुई है। आगामी पूर्वानुमानों में भी बारिश की उम्मीद नहीं जताई गई है। अगले सात दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है, जिससे सूरज की तपिश बढ़ सकती है।
- **अगले 5 दिन तक 2-3 डिग्री बढ़ेगा पारा**– शनिवार को वाराणसी का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री ज्यादा 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा 17.8 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन में 11 किमी प्रति घंटे की गति से हवा भी चली। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले पांच दिनों में तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

आरटीई के दूसरे चरण में आए एक लाख से ज्यादा आवेदन, आज निकाली जाएगी लाटरी

लखनऊ। प्रदेश में आरटीई के तहत निजी स्कूलों की 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब परिवारों के बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया जारी है। पहले चरण में करीब 2.61 लाख आवेदन आए थे, जिनमें से 96 हजार बच्चों को सीटें आवंटित की गई थीं। वहीं, दूसरे चरण के लिए अब तक 1.02 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। शनिवार को इसकी अंतिम तिथि थी। इस चरण के लिए 9 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी। जिन बच्चों को सीटें मिलेंगी, उन्हें निजी स्कूल 11 मार्च तक प्रवेश देंगे। जिलों की बात करें तो सबसे अधिक 5949 आवेदन लखनऊ में आए हैं। इसके बाद आगरा (4509), बुलंदशहर (4502), कानपुर नगर (3617) और बिजनौर (3228) का स्थान है। वहीं, सबसे कम आवेदन श्रावस्ती, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा और बलरामपुर में मिले हैं। समग्र शिक्षा के उपनिदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि आरटीई प्रवेश का तीसरा और अंतिम चरण 12 से 25 मार्च तक चलेगा। 27 मार्च को लॉटरी निकलेगी और 29 मार्च तक प्रवेश पूरा कराया जाएगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 09 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड के राज्यपाल के हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, श्रीनगर में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के हेलिकॉप्टर में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। राज्यपाल गैरसैंण जा रहे थे, जहां सोमवार से विधानसभा का सत्र शुरू होना है और पहले दिन बजट पेश किया जाना है। तकनीकी खराबी का अलर्ट मिलते ही पायलट ने तुरंत एहतियात के तौर पर यूरोकॉप्टर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया। इसके बाद चॉपर को श्रीनगर स्थित जीवीके हेलीपैड पर सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट की सूझबूझ और तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद राज्यपाल को सुरक्षा के बीच श्रीनगर स्थित पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया, जहां वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। राज्यपाल टिहरी से गैरसैंण जा रहे थे। राज्यपाल गुरमीत सिंह चमोली जिले के गैरसैंण जा रहे थे। सोमवार से वहां उत्तराखंड विधानसभा का सत्र शुरू होना है और पहले दिन बजट पेश किया जाना है। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वे हेलिकॉप्टर से चमोली के गैरसैंण के लिए रवाना हुए थे, लेकिन रास्ते में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलिकॉप्टर जब उड़ान में था, तभी करीब डेढ़ बजे पायलट को तकनीकी खराबी का संकेत मिला। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत एहतियाती कदम उठाया और किसी तरह का जोखिम नहीं लिया। इसके बाद हेलिकॉप्टर को नजदीकी सुरक्षित स्थान की ओर मोड़ते हुए श्रीनगर के जीवीके हेलीपैड पर सफलतापूर्वक उतार लिया गया। पायलट की सूझबूझ से संभावित हादसा टल गया।

राजस्थान में क्रिकेट फैंस कर रहे हवन, मंदिरों में भजन-कीर्तन, जयपुर से कमेंट्री करेंगे हरभजन

जयपुर। टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। इंडियन टीम की जीत के लिए राजस्थान के मंदिरों में हवन और भजन-कीर्तन किए जा रहे हैं। टीम की जीत की कामना करते हुए भक्तों ने खाटूश्याम मंदिर में तिरंगा भी चढ़ाया है। जयपुर, जोधपुर सहित कई शहरों में रेस्टोरेंट्स व होटल्स में फाइनल मैच दिखाने के लिए बड़ी स्क्रीन्स लगाई गई हैं। दिल्ली-मुंबई से बुलाए गए प्रोफेशनल एंकर्स भी इन इवेंट्स में होंगे। वहीं, मैच ने जयपुर से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट्स पर भी असर डाला है। अहमदाबाद में मैच देखने और संभावित जीत के बाद होने वाली जश्न में शामिल होने के लिए भी लोग बड़ी संख्या में जयपुर से जा रहे हैं। इस कारण फ्लाइट्स की टिकट दोगुना तक बढ़ गई हैं। वहीं, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह जयपुर के एक होटल से फाइनल मैच में कमेंट्री करेंगे। इसके लिए होटल में ही सेटअप किया गया है। इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में खेले जा रहे T20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले को लेकर फ्लाइट टिकट्स की रेट में भी बड़ा बदलाव हुआ है। जयपुर से अहमदाबाद के लिए जहां सामान्य दिनों में 7000 रुपए में फ्लाइट उपलब्ध होती थी। वहीं, आज फ्लाइट रेट की कीमत दोगुनी हो गई है। ऐसे में पैसेंजर को अहमदाबाद जाने के लिए 14000 से 15000 रुपए तक भुगतान करना पड़ रहा है। मैच के लिए नई दिल्ली से साबरमती के लिए एक तरफा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। गाड़ी संख्या 04062 नई दिल्ली-साबरमती आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 7 मार्च (शनिवार) को रात 11:45 बजे नई दिल्ली से रवाना हुई। जो रविवार सुबह 4:50 बजे जयपुर पहुंची। 5:00 बजे यहां से आगे के लिए रवाना हुई। 2:30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- किसी की औकात नहीं मुझे शंकराचार्य न माने

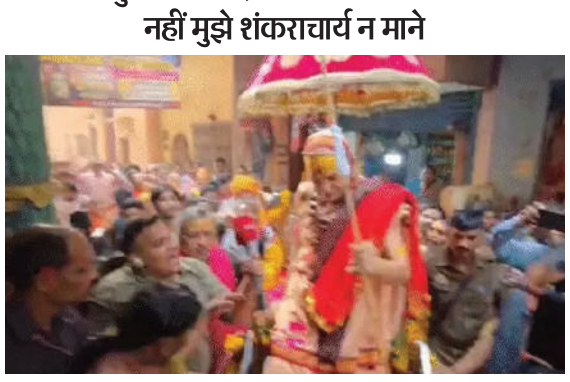

वाराणसी। 'हमारे शंकराचार्यों पर सवाल उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे धर्म में 4 शंकराचार्य हैं। जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने मेरा अभिषेक कर दिया, तो फिर किसी की क्या औकात है कि वह कहे, हम इन्हें नहीं मानते। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का भी अधिकार है।' यह बात शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार को जौनपुर में कही। दरअसल, शंकराचार्य ने आज काशी से "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" नाम से लखनऊ के लिए यात्रा शुरू की है। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। काशी में शंकराचार्य ने कहा- बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गोमाता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य की यात्रा में 20 से अधिक गाड़ियां हैं। 500 से अधिक श्रद्धालु साथ हैं। इस दौरान लोगों को पोस्टर बांटे गए। इनमें लिखा है- जिंदा हिंदू लखनऊ चलें। काशी में 11 बटुकों ने किया शंकराचार्य का स्वागत काशी में शंकराचार्य शनिवार सुबह 8.30 बजे मठ से निकलकर गौशाला पहुंचे। गाय की पूजा की, फिर पालकी पर सवार हुए। मठ से 300 मीटर दूर स्थित चिंतामणि गणेश मंदिर पहुंचे। यहां 11 बटुकों ने उनका स्वागत किया। फिर पूजा-अर्चना कर संकट मोचन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और अपने संकल्प को दोहराया। इसके बाद शंखनाद और जयकारों के बीच अपनी वैनिटी वैन से लखनऊ के लिए रवाना हुए।

इंदौर में मिसाइलों से उड़ा गुलाल, रंगीन हो गया आकाश

इंदौर/उज्जैन/भोपाल/ग्वालियर/जबलपुर। रंगपंचमी पर्व पर रविवार को मध्य प्रदेश रंगों और गुलाल से सराबोर रहा। इंदौर में टोरी कॉर्नर की गेर में तीन टैंकरों पर मिसाइलें लगाकर रंग बरसाया गया। ऑपरेशन सिंदूर की याद में टैंक से रंगीन पानी की बौछार की गई। नगर निगम की गेर में हाथी की प्रतिकृति की सूंड से रंगीन पानी लोगों पर डाला गया। इतना गुलाल उड़ा कि आकाश रंगीन नजर आने लगा। मॉरल क्लब समिति की गेर में 15 ब्लोअर मशीनें, 6 डीजे गाड़ियां, एक बड़ी बोरिंग मशीन और 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर अलग-अलग झांकियां चलती रहीं। संगम कॉर्नर समिति की गेर में बरसाना की टीम ने लट्ठमार होली खेली। राधा-कृष्ण की जोड़ी ने रास रचाया। युवाओं की टोली होली गीत और देशभक्ति के तरानों पर नाचती-झूमती रही। इससे पहले रंगोत्सव की शुरुआत उज्जैन में बाबा महाकाल को केसरयुक्त जल अर्पित करके की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वज पूजन किया। बाबा का अभिषेक करने के बाद प्रदक्षिणा की। तलवारबाजी के जौहर भी दिखाए। फिर संतनगर की गेर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों पर फूल और गुलाल बरसाए। होली गीतों पर दोनों हाथ उठाकर थिरकते नजर आए। उज्जैन में संत नगर की गेर में सीएम यादव के पहुंचने से पहले किसी ने पटाखा फोड़ दिया। अचानक फोड़े गए इस पटाखे की आवाज सुनकर हल्की भगदड़ की स्थिति बन गई। जमीन पर गिर जाने से एक शख्स घायल हो गया। जिसे एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया है।

केंद्र सरकार 'सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र' पर करेगी वेबिनार

1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार वेबिनार श्रृंखला के तहत 'सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र : 1.5 लाख बहु-कौशल केयरगिवर का प्रशिक्षण' विषय पर विशेष ब्रेकआउट सत्र आयोजित करेगी। यह वेबिनार 'सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर होगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने बताया की वह इस वेबिनार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय समन्वित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 मार्च को बजट के बाद वेबिनार 2026-27 को संबोधित करेंगे।

केंद्रीय बजट 2026-27 के पैरा 54 में मजबूत केयर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर जोर दिया गया है। इसके तहत वृद्धजन और संबद्ध देखभाल सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे। इनमें देखभाल कौशल के साथ वेलनेस, योग तथा चिकित्सा और सहायक उपकरणों के संचालन जैसे कौशल भी शामिल होंगे। आने वाले वर्ष में 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

वेबिनार के दौरान देखभाल क्षेत्र के लिए सक्षम कार्यबल विकसित करने पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक देखभाल अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ उठाना भी है। मंत्रालय ने कहा कि देश की कौशल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद, सेक्टर स्किल काउंसिल, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान जैसी संस्थाएं कार्य कर रही हैं। इसके साथ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना और जन शिक्षण संस्थान जैसी योजनाओं के माध्यम से भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अब तक जेरियाट्रिक केयरगिवर, होम हेल्थ एड और जनरल ड्यूटी असिस्टेंट जैसे क्षेत्रों में हजारों युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह संगठित देखभाल कार्यबल के निर्माण की आधारशिला है। ब्रेकआउट सत्र में स्वास्थ्य संस्थानों, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और शिक्षाविदों के विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसमें केयरगिवर योग्यता के मानकीकरण, प्रशिक्षकों की क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण ढांचे के विस्तार और देखभाल क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप अवसरों को बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

वेबिनार के समापन सत्र में चर्चा से प्राप्त सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी समापन संबोधन देंगे और देखभाल अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए कौशल व्यवस्था को मजबूत करने के उपायों पर अपनी बात रखेंगे।

सीकेसीए नॉलेज सेंटर का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोलकाता। सेंट्रल कोलकाता चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन के सीकेसीए धरम चंद पुगलिया नॉलेज सेंटर का उद्घाटन कोलकाता महानगर के मध्य स्थित पोद्दार कोर्ट के गेट नंबर 3 के छठे तल पर आयोजित समारोह में भीखमचंद पुगलिया और सुशीला देवी के करकमलों से 1 अगस्त 2025 को किया गया। सेंट्रल कोलकाता चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 2002 में सात चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा की गई थी, जिसकी वर्तमान में सदस्य संख्या 800 से अधिक हो चुकी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भीखमचंद पुगलिया ने कहा कि इस नॉलेज सेंटर के माध्यम से आने वाली पीढ़ी के भविष्य को संवारने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस संस्था को सहयोग देकर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अपने सपने को साकार करने का अवसर मिला है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राजेश कांकरिया ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि नॉलेज सेंटर संस्था के सदस्यों का 23 वर्षों पुराना सपना था, जो अब साकार हुआ है। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव हरिराम अग्रवाल ने किया। आयोजन को सफल बनाने में भंवरलाल राठी, दिलीप करनानी, सुरेश झुनझुनवाला, संजय जैन, मनीष बरेलिया और राजेश केजरीवाल सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। अंत में कमल सारडा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

7 दिन में खाड़ी देशों से लौटे 52000 भारतीय

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (MEA) ने शनिवार को पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर अपडेट देते हुए बताया कि 1 से 7 मार्च 2026 के बीच 52,000 से ज्यादा भारतीय सुरक्षित रूप से खाड़ी देशों से भारत लौटे। इसमें से 32,107 भारतीय एयरलाइंस के जरिए, बाकी लोग विदेशी कमर्शियल फ्लाइट्स और नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट्स के जरिए वापस आए हैं। मंत्रालय के अनुसार, खाड़ी देशों में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे भारतीयों की सहायता के लिए एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के सवालों का जवाब दे रहा है। MEA ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय

नागरिकों को स्थानीय प्रशासन और भारतीय दूतावास/वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सलाहों का पालन करने की सलाह दी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशनों ने 24×7 हेल्पलाइन भी शुरू की हैं। मंत्रालय के बयान के अनुसार, हाल के दिनों में क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुलने के बाद भारतीय और विदेशी एयरलाइंस कमर्शियल और स्पेशल फ्लाइट्स संचालित कर रही हैं। आने वाले दिनों में और उड़ानें संचालित करने की योजना है।

सीएम ममता के धरने का तीसरा दिन, बोलीं- बीजेपी पर एक देश, एक नेता-एक पार्टी का पागलपन सवार

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। TMC सुप्रीमो ने चुनाव आयोग को वैनिश कमीशन कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि BJP 'इलेक्टोरल रोल से सही वोटर्स के नाम हटाने के लिए वैनिश कमीशन का गलत इस्तेमाल' कर रही है। उनका यह कमेंट ऐसे दिन आया है जब चुनाव आयोग की पूरी बेंच राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए कोलकाता आने वाली है। ममता ने कहा - एक देश, एक नेता, एक पार्टी के पागलपन में, BJP ने जन-विरोधी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को सिस्टमैटिक तरीके से हथियार बना लिया है। बनर्जी ने दावा किया कि BJP का आखिरी मकसद बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए गए संविधान को अपने पार्टी मैनिफेस्टो से बदलना है।

ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है।

SIR की फाइनल वोटर लिस्ट में क्या-क्या है: 28 फरवरी को जारी ऑफिशियल डेटा के मुताबिक पिछले साल नवंबर में SIR प्रोसेस शुरू होने के बाद से अब तक 63.66 लाख नाम, यानी वोटर्स का करीब 8.3 परसेंट, हटा दिए गए हैं, जिससे वोटर्स की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ से थोड़ी ज़्यादा रह गई है। इसके अलावा, 60.06 लाख से ज़्यादा वोटर्स को अंडर एडजुडिकेशन कैटेगरी में रखा गया है, जिसका मतलब है कि आने वाले हफ्तों में उनकी एलिजिबिलिटी कानूनी जांच के जरिए तय की जाएगी, यह एक ऐसा प्रोसेस है जो चुनाव क्षेत्र के चुनावी समीकरणों को और बदल सकता है।

कमल हासन ने ट्रम्प से कहा अपने काम से काम रखो

ओपन लेटर में लिखा- भारत आजाद देश, अब हम विदेशी सरकारों का हुकुम नहीं मानते

एजेंसीनई दिल्ली

कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन लेटर लिखकर, उन्हें अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने दबे शब्दों में डोनाल्ड ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रशिया से तेल लेने की छूट दी है। कमल हासन ने आधिकारिक X अकाउंट (पहले ट्विटर) से लिखा है, 'सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से ऑर्डर नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखें। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम।'

क्या है पूरा मामला?: मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20% तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है।

समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली गौरी एवं अनीता सम्मानित

मुरादाबाद। हिब्यूटीफुल लेडीज क्लब द्वारा रविवार को मुरादाबाद क्लब में होली उत्सव के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु गौरी जैन एवं अनीता श्रीवास्तव को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. पीएल श्रीधर, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल रहीं।

क्लब की अध्यक्ष डा. संगीता मदान ने कहा कि महिलाएं आज समाज की रीढ़ हैं और भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्लब संस्थापक डा. बबीता गुप्ता ने कहा कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हुए 100 से अधिक वर्ष बीत चुके हैं। प्रिया अग्रवाल ने कहा कि आज समाज के लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाएं अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्लब की सचिव डा. गरिमा गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डा. प्रियाल एवं डा. प्रीना ने संचालन किया।

इजराइल का बेरूत में हमला, ईरानी कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडर मारे गए

एजेंसी, तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/ वाशिंगटन

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इजराइल को आज (रविवार) सुबह ईरान पर किए गए जबरदस्त हमले का मिसाइलों से जवाब मिला है। इजराइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है। इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की धमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है।

बाल विवाह मुक्ति रथ ने की 66,344 गांवों की यात्रा, देश को किया जागरूक

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से निकले 'बाल विवाह मुक्ति रथ' की 28 राज्यों में यात्रा का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर समापन हुआ। पिछले एक महीने में इस रथ ने 6,79,077 किलोमीटर की यात्रा कर 28 राज्यों, 439 जिलों और 66,344 गांवों से होते हुए कुल 5,22,68,033 लोगों तक बाल विवाह मुक्त भारत का संदेश पहुंचाया। बाल विवाह के खिलाफ केंद्र सरकार के 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान को मजबूती देने के लिए बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत नागरिक समाज संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने देशभर में 500 से अधिक बाल विवाह मुक्ति रथ सड़कों पर उतारे। इन रथों ने देश के कोने-कोने में जाकर बाल विवाह से जुड़े कानूनों और खास तौर से लड़कियों पर इसके दुष्प्रभावों के बारे में जनसमुदाय को जागरूक किया।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सीनियर एडवाइजर (पॉलिसी) ज्योति माथुर ने पत्रकारों को बताया, "यह रथ केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि न्याय का वाहक है। यह जनसमुदाय तक कानून, संरक्षण और जवाबदेही का संदेश लेकर जाता है, ताकि सरकार की मंशा जमीन पर वास्तविक सुरक्षा में तब्दील हो सके। इस अभियान में शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासनिक अधिकारियों

JUST RIGHTS FOR CHILDREN

से लेकर शिक्षाविदों और महिला भुक्तभोगियों तक सभी ने उत्साह से भागीदारी की। खास तौर पर जमीनी स्तर के महिला नेतृत्व का अग्रिम मोर्चे से इस संदेश को आगे ले जाते देखना बेहद प्रेरक रहा। ऐसी व्यापक भागीदारी और तात्कालिकता के साथ हमें विश्वास है कि भारत 2030 की वैश्विक समयसीमा से पहले ही बाल विवाह जैसे अपराध से मुक्त हो जाएगा।" उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय की एक हालिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा, "हमारा हौसला बढ़ाने वाली बात यह है कि दुनिया अब उसे स्वीकार कर रही है जो हम एक दशक से कह रहे हैं कि बाल विवाह दरअसल हमारे बच्चों से बलात्कार है और इसे उसी रूप में देखा और समझा जाना चाहिए।" जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने अपने सहयोगी संगठनों, स्थानीय प्रशासन, कानून लागू करने वाली एजेंसियों, सामुदायिक नेताओं व बाल विवाह में सेवाएं प्रदान करने वाले बैंड बाजा, घोड़ी, सजावट, डीजे व व खाना बनाने वाले कैटर्रस के समन्वित प्रयासों से पिछले एक वर्ष में ही देशभर में 1,98,628 बाल विवाह रुकवाए हैं।

उल्लेखनीय है कि 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के साल भर पूरा होने के अवसर पर केंद्र सरकार के 100 दिवसीय गहन अभियान को सफल बनाने के लिए जेआरसी 'बाल विवाह मुक्ति रथ' यात्रा की शुरुआत की थी। पोस्टरों, प्रभावशाली नारों, लाउडस्पीकर और बाल विवाह के खिलाफ शपथ के लिए बोर्ड से सुसज्जित यह रथ उन दूरदराज और हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक पहुंचने के लिए तैयार किया गया था। जहां बेहतर सड़कों वाले इलाकों में चार पहिया वाहनों के माध्यम से यह अभियान पहुंचा, वहीं दूरदराज के गांवों तक मोटरसाइकिल और साइकिल कारवां के जरिए संदेश पहुंचाया गया। इस यात्रा के दौरान बाल विवाह मुक्ति रथ ने पंचायतों, जिला प्रशासन, बाल विवाह निषेध अधिकारियों और प्रशासनिक अमले के साथ मिलकर जनता को जागरूक किया और बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई।

आईसीसी ने भारत में फंसी टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का किया इंतजाम

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कोलकाता में फंसी टीमों के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया है। : आईसीसी ने ये व्यवस्था इसलिए की है क्योंकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी कुछ टीमें भारत में ही फंसी हुई हैं। इन्हीं टीमों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है। मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण दुबई सहित कई जगहों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधा आई है। इसी को देखते हुए आईसीसी ने वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। इन तीनों टीमों की यात्रा में देरी हो रही थी, जिसके बाद आईसीसी ने खिलाड़ियों और सहायेगी स्टाफ को सुरक्षित तरीके से अपने-अपने देशों तक पहुंचाने के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड टीम शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुई जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीकी टीम को अलग चार्टर फ्लाइट के जरिए भेजा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जोहान्सबर्ग पहुंचेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए रवाना होगी। वेस्टइंडीज की टीम 1 मार्च से कोलकाता में ही रुकी हुई थी। कैरिबियाई टीम अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में भारत से पांच विकेट से हार के बाद ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद उड़ाने बंद होने से टीम भारत में ही फंस गयी थी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही रुकी हुई थीं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में हराया था। इन हार के बाद दोनों टीमों को उड़नो शुरु नहीं होने से भारत में ही रहना पड़ा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भी इसको लेकर आईसीसी से नाराजगी जतायी थी। वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने भी सोशल मीडिया पर हंसते हुए लिखा, अब तो बेहतर होगा कि मैं स्टार फुटबॉल स्टार से अपना जेट भेजकर मुझे यहां से ले जाने का अनुरोध करुं।इससे पहले जिम्मेबाब्वे भी कुछ दिन भारत में फंसी थी।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

» चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

एजेंसी, अहमदाबाद

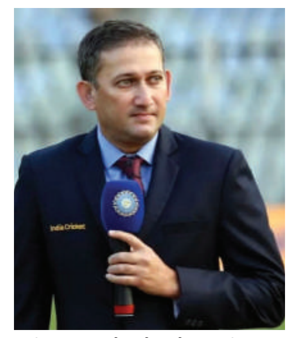

अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे। भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी। टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था। इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

एजेंसी, कोलकाता

मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है। डी कॉक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी कॉक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, "तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, आज चार्टर होम ले लो। वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अभी भी कोलकाता में है। दक्षिण अफ्रीका उसी स्थिति में है। यहीं पर अपनी ताकत का प्रयोग गलत है। इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। केवल इसलिए कि आप आईसीसी टेबल पर ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो आपके साथ अलग व्यवहार होगा।"

जय शाह ने फाइनल मुकाबले से पहले भारत-न्यूजीलैंड टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी, अहमदाबाद

आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला आज (रविवार) शाम सात बजे से गुजरात के अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबले से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला टी-20 विश्व कप रहा है। इस विश्व कप में कई आकार्षण रहे, जिसमें हमारे एसोसिएट सदस्यों के कुछ शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। अब भारत और न्यूजीलैंड को फाइनल के लिए गुड लक कहने का समय है, जो बहुत बड़ी भीड़ के सामने खेला जाएगा और जिसे करोड़ों लोग देखेंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले को जीतकर दोनों टीमों के पास इतिहास रचने का मौका है। गत विजेता भारतीय टीम तीसरी बार इस खिताब को जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड पहली बार टी20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगा। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ियों की कमी नहीं है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसने इंग्लैंड को सात रन से हराया था। इसी तरह न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में अच्छी बल्लेबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर ली ताहुहू ने अपने वनडे क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 15 साल के लंबे वनडे करियर में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम (व्हाइट फर्न्स) के लिए बेहद शानदार प्रदर्शन किया और 125 विकेट झटके हैं। उनका मानना है कि वनडे से संन्यास लेने का यह सही समय है। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के लिए टी20 फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से रविवार को जारी आधिकारिक बयान में ली ने कहा कि वनडे क्रिकेट में व्हाइट फर्न्स की जर्सी पहनना हमेशा से मेरे लिए सम्मान की बात रही है। वनडे क्रिकेट में 100 से अधिक बार अपने देश के लिए जर्सी पहनना एक ऐसी बात है जिसका मैंने कभी सपना भी नहीं देखा था। उन्होंने 2024 में टी20 विश्व कप जीत को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैं हर पल को संजो कर रखूंगी और वनडे क्रिकेट से बेहद गर्व के साथ विदा ले रही हूं। व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वनडे में ली का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनकी तेज गेंदबाजी हमेशा से ही एक ताकत रही है, लेकिन उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और इस टीम को आगे बढ़ाने की उनकी लगन सबसे अलग रही है। इसका असर उन युवा गेंदबाजों पर भी पड़ा है जो अब वनडे खेल में अपनी कला सीख रहे हैं। सॉयर ने कहा कि ली के वनडे के आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। अपने देश के सर्वकालिक अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किसी प्रारूप से संन्यास लेना एक ऐसी उपलब्धि है जिस पर ली को बहुत गर्व होना चाहिए। ली ने वनडे क्रिकेट में ऊंचाइयों को छुआ है और व्हाइट फर्न्स के लिए इस प्रारूप में गेंदबाजी के नए मानक स्थापित किए हैं। ली ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनका आखिरी वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में था। ली ने न्यूजीलैंड के लिए 103 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 125 विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त

भारत के लिए और अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतना मेरा सपना : शशिकला मौर्या

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के दीनापुर गांव की रहने वाली कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या का कहना है कि उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और अधिक पदक जीतना है। वे आने वाले समय में विश्व चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और ओलम्पिक जैसे बड़े मंचो पर शानदार प्रदर्शन कर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करना चाहती हैं। कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या आज अपने संघर्ष, मेहनत और उपलब्धियों के कारण युवाओं, खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर अपनी अलग पहचान बनाई है। शशिकला ने विशेष बातचीत में कहा कि वह एक आम लड़की हैं, जो अपने माता-पिता से मिले नाम को बनाने में लगी है। उनके पिता ओमप्रकाश मौर्या फूल-माला बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इसी सीमित आय में से वह अपनी बेटी के कराटे प्रशिक्षण और खर्च का भी प्रबंध करते रहे हैं। शशिकला बताती हैं कि उनका खेल सफर बेहद साधारण तरीके से शुरू हुआ। जब वो कंपोजिट विद्यालय में पढ़ती थीं, तब वहां एक शिक्षक कराटे की कोचिंग देने आते थे। उसी दौरान एक लड़की कराटे सीखने जाती थी, तो मैं भी उसके साथ वहां चली गई। वहीं मेरी मुलाकात कोच अरविंद मौर्य से हुई, जिन्होंने उन्हें प्रशिक्षित किया और प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए प्रेरित किया। मुझे यह खेल इतना पसंद आया कि मैंने इसे अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा चुनौतीपूर्ण रही है। कई बार टूर्नामेंट की फीस, किट और यात्रा का खर्च जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। उनकी दिनचर्या भी काफी कठिन रही है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

» सरकार ने सुरक्षा तैयारियां तेज कीं

एजेंसी, मेक्सिको सिटी

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्टीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी। मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्जः एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

एजेंसी, नई दिल्ली

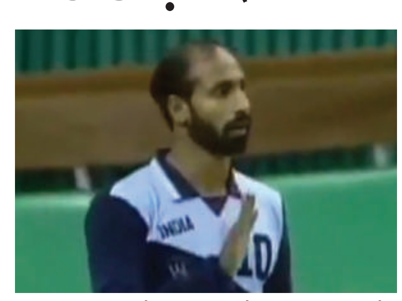

भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का "गॉड" कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था। जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिर्वसिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए। महज 21 वर्ष की उम्र में उन्हें अर्जुन अर्वाड से सम्मानित किया गया, जिससे वह इस पुरस्कार को पाने वाले सबसे युवा वॉलीबॉल खिलाड़ियों में शामिल हो गए। रूसी कोच सर्जिया इवेनोविच गेव्रीलोग की सलाह पर उन्होंने पेशेवर वॉलीबॉल की राह पकड़ी और 1979 में अबूधाबी स्पोर्टस क्लब से खेलने के लिए विदेश चले गए। इस तरह वह विदेश में पेशेवर तौर पर खेलने वाले पहले भारतीय वॉलीबॉल खिलाड़ी बने। बाद में उन्होंने 1982 में एक इटली के क्लब के साथ करार किया और वहां दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अपनी अलग पहचान बनाई। लगभग सात सीजन तक इटली के विभिन्न क्लबों से खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। 6 फीट 2 इंच लंबे जिम्मी अपनी ऊंची छलांग, तेज सर्व और दमदार स्मैश के लिए मशहूर थे। उन्होंने 1985 में सऊदी अरब में भारतीय टीम की कप्तानी की और 1986 में हैदराबाद में आयोजित इंडिया गोल्ड कप इंटरनेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भी टीम का नेतृत्व किया। उसी वर्ष एशिएन गेम्स 1986 में जापान को हराकर भारत को कांस्य पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही। उस दौर को भारतीय वॉलीबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है। 1987-88 सीजन के लिए उन्होंने इटली के शीर्ष क्लब के साथ करार किया, लेकिन 30 नवंबर 1987 को 32 वर्ष की उम्र में इटली में एक कार दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। दिलचस्प बात यह है कि जिम्मी जॉर्ज को भारत से ज्यादा इटली में लोकप्रियता मिली। केरल में उनके नाम पर एक स्टेडियम और कई वॉलीबॉल टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

एजेंसी, नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूज़ीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया। टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला। इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था। जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

- फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)
- जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)
- क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)
- क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)
- हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)
- ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

एजेंसी, पर्थ

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला। इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया। इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 09 मार्च, 2026

सामान्य नहीं है हाईपरटेंशन

हाईपरटेंशन, बहुत आम सी बात बन कर रह गई है। हर तीसरा व्यक्ति इससे ग्रस्त मिलता है। मगर सच तो यह है कि इतनी सामान्य लगने वाली यह स्वास्थ्य समस्या उतनी आम या सामान्य नहीं, जितना आप सोच रहे हैं। हाईपरटेंशन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं? आइए जानते हैं–

ये करना होगा बेहतर

- नियमित रूप से हर रोज कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करें।
- हर रोज योग और ध्यान की प्रैक्टिस कम से कम 15 मिनट तक करें।
- हर रोज छह से आठ घंटे की नींद ले।
- खूब सारी हरी सब्जियां, फल और मेवों का सेवन करें।
- हर रोज प्रचुर मात्रा में पानी पिएं। एक दिन में कम से कम डेढ़ से दो लीटर तक पानी पिएं।
- रिलैक्स करने की तकनीक जैसे म्यूजिक थेरेपी, अरोमा थेरेपी आदि की मदद ले सकते हैं।
- तनाव को मैनेज करने के लिए आप आध्यात्मिक तकनीकों का प्रयोग कर सकते हैं।
- अपने वजन का ध्यान रखें। पुरुषों की कमर का माप 90 सेंटीमीटर से ज्यादा और महिलाओं में 80 टीमीटर सेंटीमीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- अपने अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने का प्रयास करें। एचडीएल पुरुषों में 40 एमजी प्रतिशत से ज्यादा और महिलाओं में 50 एमजी प्रतिशत होना चाहिए।
- अपने ब्लड शुगर को नियंत्रित रखे। ब्लड शुगर फास्टिंग 110 से कम होना चाहिए।

इनसे रहें बचकर

- तम्बाकू का सेवन किसी भी रूप में न करें।
- ट्रांसफैट्स का सेवन।
- अपनी जीवनशैली को अव्यवस्थित न होने दें।
- ज्यादा नमक का सेवन न करें। टमाटर सॉस, आलो के चिप्स, तले खाद्य पदार्थ, अचार आदि में नमक बहुत ज्यादा होता है, इसलिए इनका सेवन करने से बचें।
- वजन को नियंत्रण में रखें।
- ज्यादा मात्रा में एल्कोहल का सेवन ठीक नहीं।
- बहुत तेज ठंडे मौसम में घूमने से बचें।
- फैट से भरपूर डायट जैसे जंक फूड, मिठाई आदि बिल्कुल न लें।
- रेड मीट और अंडे का पीला भाग का सेवन न करें।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी नैजल ड्रॉप यानी नाक में डालने वाले ड्रॉप का सेवन न करें।
- वेट लिफ्टिंग या पुश-अप न करें, यह आपके ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकते हैं।

अन्य विटामिनों की मात्रा

पपीते में विटामिन बी और सी तो अच्छी मात्रा में पाए ही जाते हैं, साथ ही विटामिन डी भी अल्पमात्रा में होता है। इसमें फास्फोरस, मैग्नेशियम, सोडियम तथा अन्य खनिज-लवण भी उपस्थित रहते हैं, जो सभी शरीर के स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक होते हैं।

पाचन क्रिया तेज करता है पपीता

कहा जाता है कि पपीते की तुलना में शीघ्र लाभदायक और प्रभाव दिखलाने वाला अन्य खाद्य पदार्थ शायद ही दूसरा कोई हो। स्वाद की दृष्टि से भी यह सभी को सहज ही पसंद आता है। इसे गरम देशों की एक अमूल्य निधि के रूप में माना जाता है।

इसके वैज्ञानिक विश्लेषण से यह पता लगा कि यह शरीर का क्षार संतुलित रखता है। इसमें विटामिन ए और सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें विटामिन बी काफी मात्रा में और डी अल्प मात्रा में पाया जाता है। इसके नियमित उपयोग से शरीर में इन विटामिनों की कमी नहीं रहती। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचा देता है। इसलिए पपीता पेट एवं आंत संबंधी विकारों में बहुत ही लाभदायक है। यह सर्वविदित तथ्य है कि अधिकांश रोगों की उत्पत्ति पेट के विकारों से ही होती है। कुछ रोग अपवाद हो सकते हैं। उदर संबंधी विकार कई रोगों के आरंभिक लक्षण हैं। यदि इन विकारों को दूर कर दिया जाए तो उन रोगों से बचा जा सकता है। उदर के रोग दूर करने में पपीता बेजोड़ है।

यह उदर और आंतों की सफाई कर क्षार का प्राकृतिक स्तर बनाने का काम उत्तम ढंग से करता है। यदि आंतें स्वच्छ रहें तो भोजन में आनंद आने लगता है तथा रुचिपूर्वक भोजन करने से उसका पाचन भी होता है। इस प्रकार के भोजन से तृप्ति भी मिलती है और स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। आंते साफ हो जाने से सारे शरीर की सफाई हो जाती है और शरीर की समस्त प्रणालियां सशक्त होकर अपना कार्य सुचारु रूप से करने लगती हैं।

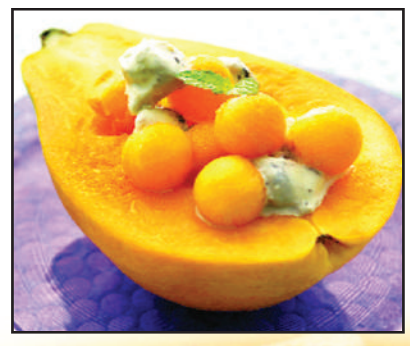

विटामिन ए का अच्छा स्रोत

पपीते में पाया जाने वाला विटामिन ए त्वचा एवं नेत्रों के लिए बहुत आवश्यक होता है। इस विटामिन से त्वचा स्वस्थ, स्वच्छ और चमकदार रहती है। नेत्र रोगों से रक्षा करने में विटामिन ए का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है। बच्चों की वृद्धि में और रोगों से बचाव की क्षमता बढ़ाने में भी विटामिन ए की आवश्यकता रहती है।

कैल्शियम की कमी में

पपीते में कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में होता है, जो रक्त एवं तंतुओं के निर्माण एवं हृदय, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रहने में सहायक होता है। कैल्शियम नेत्रों के लिए भी आवश्यक माना जाता है एवं माताओं के दूध बनने तथा उसकी मात्रा बढ़ाने में सहायक माना जाता है। शिशुओं और बच्चों के अस्थि निर्माण में भी कैल्शियम का महत्वपूर्ण स्थान है। कैल्शियम के अभाव में अस्थियां कमजोर रह सकती हैं। अस्थियों और दांतों की बाढ़ प्रभावित होकर कई दोष भी पनप सकते हैं, मसूड़ों पर भी कुप्रभाव होता है।

ब्लड कोलेस्ट्रॉल में आजमाएं

कोलेस्ट्रॉल एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या, जो अब आम बनती जा रही है। आइए, कोलेस्ट्रॉल को कम करने के कुछ घरेलू नुस्खों पर एक नजर डालते हैं।

- अपने नाश्ते में ओट्स को शामिल करें। ओट्स में पाए जाने वाले फायबर आसानी से पचते हैं। इन्हें बीटा ग्लुकन कहा जाता है और ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।
- जब भी स्नैक खाने का मन करे, तब एक गिलास पानी पिएं।
- खाली पेट पीसे लहसुन की फांक खाएं। लहसुन में एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं, जो कि आपके एलडीएल अर्थात खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। अगर आप लहसुन को ऐसे नहीं खा सकते हैं तो आप उसकी जगह बाजार में मिलने वाले लहसुन के कैप्सूल का सेवन भी कर सकते हैं।

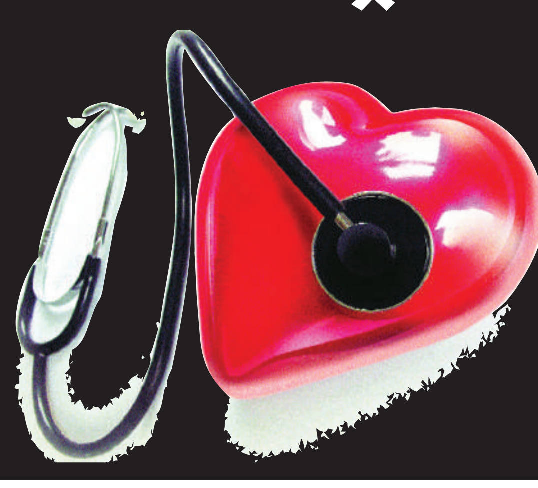

- वैसे तो सभी फल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं, मगर इसमें सेब बहुत ही लाभकारी साबित होता है।
- स्नैकिंग करना चाहते हैं तो बादाम को अपना विकल्प चुने। बादाम खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।
- ऐसा माना जाता है कि काली मिर्च के नियमित सेवन करने से भी कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है।

विभिन्न रोगों में उपयोगी कुशा

रंग : कुशा का रंग हरा होता है।
स्वाद : कुशा का स्वाद फीका और कषैला होता है।
स्वरूप : कुशा का पेड़ कासा के पेड़ के समान होता है। इसके पेड़ बरसात के मौसम में होते हैं।
प्रकृति : कुशा की प्रकृति शीतल होती है।
गुण : कुशा और डाभ शीतल, मीठी, कषैली व स्निग्ध होती हैं। यह कफ को बढ़ाने वाली और वीर्य व खून को साफ करने वाली होती हैं। सांस रोग, मूत्ररोग, कामला (पीलिया), प्रदर, उल्टी, बेहोशी और पथरी को खत्म करने के लिए इस औषधि का प्रयोग किया जाता है। इसके सेवन से भूख बढ़ती है। कुशा की जड़ ठंडी और मीठी होती है। यह रुचि को बढ़ाती, खून को साफ करती है, बुखार को खत्म करती है और प्यास को शांत करती है। यह पीलिया और पित्त रोग में भी लाभकारी है।

विभिन्न रोगों में उपयोग

मूत्ररोग : कुशा की जड़ 3 से 6 ग्राम की मात्रा में पीस लें और फिर इसे पानी में घोटकर सुबह-शाम पिएं। इससे मूत्र सम्बंधी सभी रोग ठीक होते हैं।
प्रदर रोग : कुशा की जड़ को चावल के धोवन के साथ पीसकर पीने से सभी प्रकार के प्रदर रोग ठीक होता है।
रक्तप्रदर : कुशा की जड़ का चूर्ण 1-3 ग्राम की मात्रा में 50 मिलीलीटर चावल के धोवन के साथ सुबह-शाम सेवन करने से रक्तप्रदर में आराम मिलता है। रक्तप्रदर में कुशा या दाभ (डामी) की जड़ 3 से 6 ग्राम की मात्रा में सुबह-शाम घोटकर पीने से रक्तप्रदर रोग समाप्त होता है। इसे चावल के धोवन वाले पानी के साथ उपयोग करना अधिक लाभकारी होता है।
स्तनों का उभार : कुशा या डाभ (डाभी) की जड़ को पीसकर चूर्ण बना लें और फिर यह चूर्ण पानी में मिलाकर स्तनों पर लेप करें। इससे स्तनों का पूर्ण विकास होता है और स्तन सुडौल व सुन्दर बनते हैं।

मकरासन से मिले कमर दर्द से निजात

आज की दिनचर्या में हम 90 फ़ीसदी आगे झुकने वाले कार्य करते हैं, इसलिए आज पीठ दर्द, सरवाइकल, कमर दर्द आदि आम हो गए हैं। कमरदर्द की समस्या होने पर आप मकरासन से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कैसे होगी प्रक्रिया

पेट के बल लेट जाइए, दोनों पैरों को मिलाकर रखिए अपने कंधे और सिर को उठाइए और दोनों हाथों की कलाई को मिलाकर ठुड्डी के नीचे रखें। उंगलियों को गाल के साथ लगाकर रखिए। दोनों कोहनियों को मिलाकर रखिए। अगर गर्दन या रीढ़ में असहनीय खिंचाव आए तो उस स्थिति में आप दोनों कोहनियों के बीच में थोड़ा फासला दे सकते हैं। ऐसा करने पर खिंचाव को सहन किया जा सकेगा।

अगर सरवाइकल या गर्दन के पिछले हिस्से पर दर्द है तो कोहनियों को ठुड्डी के आगे रखिए। अगर कमर में दर्द या थकान है तो कोहनियों को पीछे की ओर यानी ठुड्डी की सीध में जमीन पर रखिए। ध्यान रीढ़ की ओर लगाकर रखें और खिंचाव को महसूस करें। खिंचाव सहन न किया जा सके तो दोनों हथेलियों को ठुड्डी से हटाकर जमीन पर रखिए।

आवश्यक सावधानी

एक-दूसरे के ऊपर और दाएं गाल को हथेलियों पर रखें। इस स्थिति में दोनों पैरों में एक से दो फुट का अंतर रखें और पैरों को पलटकर इस प्रकार रखिए कि पैरों की उंगलियां बाहर की तरफ और एक-दूसरे की विपरीत दिशा में रहें।

- मकरासन से स्लिप डिस्क, श्याटिका और सरवाइकल के दर्द में लाभ मिलता है।
- आप सुविधानुसार मकरासन की अवधि तय कर सकते हैं। इस आसन को दो-तीन बार दोहराया जा सकता है।
- मकरासन सरल होते हुए भी स्लिप डिस्क, श्याटिका और सरवाइकल के दर्द में अच्छे परिणाम देता है, क्योंकि मकरासन दो कशेरुकाओं के बीच के दबाव को कम करता है.
- दमा या सांस संबंधी रोगों में लाभ मिलता है। मकरासन की स्थिति में फेफड़ों में फैलाव आता है और ज़्यादा शुद्ध हवा का आदान-प्रदान होता है।

गले में खराश हो तो...

एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक डालकर दिन में तीन बार गरारे करने से गले की खराश, गले के दर्द में आराम मिलता है। यह उपाय गले की खराश के अतिरिक्त खांसी, सर्दी जुकाम व फ्लू में भी फायदेमंद है।

लारीनजील ट्रेमर्स के उपचार में कारगर है हिंदुस्तानी गीत

मिसूरी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ प्रोफेशंस में संचार विज्ञान एवं विकृतियों के प्राध्यापक नंदू राधाकृष्णन के अनुसार हिंदुस्तानी एवं मोजार्ट जैसी शास्त्रीय गायन शैलियां काफी भिन्न हैं। हिंदुस्तानी गायन में प्रस्तुति देने वाला अपनी आवाज में स्वैच्छिक आधार पर उतार-चढ़ाव लाने के लिए तान का इस्तेमाल करता है। शास्त्रीय संगीत में आवाज में बदलाव के लिए मुरकियां लेते हैं। इस ज्ञान के साथ हम ऐसी विशिष्ट उपचार पद्धति विकसित कर पाने में सफल हो सकते हैं, जिससे लारीनजील ट्रेमर्स का इलाज हो सके। जर्नल ऑफ वॉयस में प्रकाशित अध्ययन में राधाकृष्ण ने हिंदुस्तानी एवं पश्चिमी शास्त्रीय संगीत के बीच कई भिन्नताओं का पता लगाया है। राधाकृष्णन के अनुसार प्राथमिक भिन्नता यह होती है कि हिंदुस्तानी संगीत में आवाज के उतार-चढ़ाव के मामले में गहरा अवरोह होता है। राधाकृष्णन के शब्दों में इसे तान का चलन कहते हैं। इसके विपरीत पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में मुरकियां लगाई जाती हैं, जिसमें आवाज में उतार-चढ़ाव बहुत सुगम तरीके से किया जाता है। पश्चिमी गायक अपने गायन की आवृत्ति को बढ़ाने के लिए एक विशिष्ट दायरे को बढ़ाते हैं। इसमें कंठ को संकुचित कर और स्वर यंत्र को फैलाकर ऐसी आवाज निकाली जाती है, जो कानों को मधुर लगती है। लेकिन हिंदुस्तानी संगीत में गायक इस पद्धति का इस्तेमाल नहीं करता। वह पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की तुलना में अपने स्वर को बेहद नीचे ले जाता है और गाते समय उसकी आवाज उसकी सामान्य स्थिति में बोली जाने वाली आवाज के बेहद करीब होती है।

बोलने में होने वाली दिक्कत संबंधी व्याधि लारीनजील ट्रेमर्स का उपचार तलाशने के क्रम में अमेरिकी शोधकर्ता अब हिंदुस्तानी संगीत और मोजार्ट, वेनेगर, पुसीनी जैसे पश्चिमी शास्त्रीय संगीत का तुलनात्मक अध्ययन कर रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 09 मार्च, 2026

मई में दस्तक देगी सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम

अपनी शादी के बाद सामंथा रुथ प्रभु जल्द पर्दे पर वापसी को तैयार हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका टीजर बीते दिनों रिलीज हुआ था। अब एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया है।

सामंथा रुथ की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' इस साल मई में रिलीज होगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का नया पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ रिलीज डेट का खुलासा किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। सामंथा ने कैप्शन लिखा है, 'इस गर्मी में थिएटर में मिलते हैं। 'मां इंटि बंगाराम' दुनियाभर में बड़े स्तर पर रिलीज होगी'।

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है, जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के टीजर में दिखाया गया था कि एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।' टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी

पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

पिछले दिनों यामी गौतम ने कृति सेनन को ट्रोल करने वाली एक पोस्ट को लाइक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर बातें होने लगी हैं। यामी ने इस पूरे मामले पर अब अपना पक्ष रखा है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में 'तेरे इश्क में' के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को 'लाइक' किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।'

सिर्फ काम पर फोकस करती हैं यामी

वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।'

'धुरंधर 2' का हिस्सा होंगी यामी गौतम

पिछले साल यामी गौतम फिल्म 'हक' में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और विजय

तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई। एक्टर विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक एक्ट्रेस से विजय का नाम जोड़ रहे हैं।

संगीता की तलाक की अर्जी में किसी एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं वह इशारा विजय और तृषा कृष्णन की ओर तो नहीं था। अब सोशल मीडिया पर इसी बात की चर्चा हो रही है कि क्या विजय और तृषा की कथित नजदीकियां ही उनके तलाक की वजह बनीं? कुछ लोग विजय को उनकी शादी में बेवफाई का दोष दे रहे हैं, तो कुछ सीधे तौर पर तृषा को इस अलगाव के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक्स पर इस मामले को लेकर कई तरह के पोस्ट वायरल हो रहे हैं।

साथ में कई फिल्में कर चुके हैं विजय और तृषा

विजय और तृषा की जोड़ी लंबे समय से तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रही है। 'घिल्ली'), 'थिरुपाची', 'आथि' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि 'कुरुवी' के बाद दोनों ने अचानक साथ काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कहा गया कि 'घिल्ली' के दौरान उनकी दोस्ती कुछ ज्यादा गहरी हो गई थी। यहां तक कि यह भी चर्चा रही कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा से दूरी बनाने की सलाह दी थी। हालांकि विजय और तृषा दोनों ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

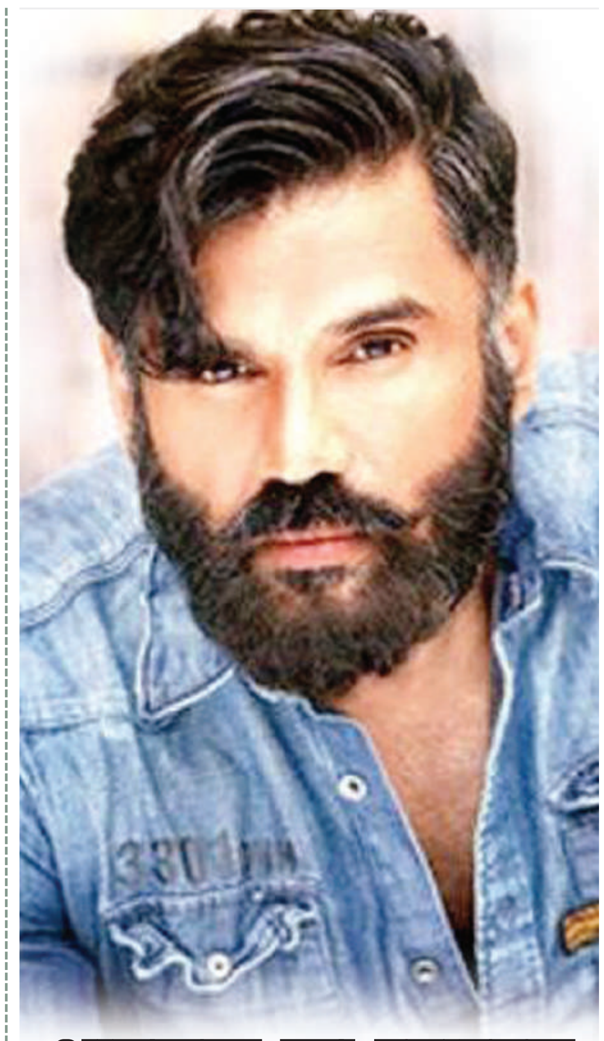

शाहरुख का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

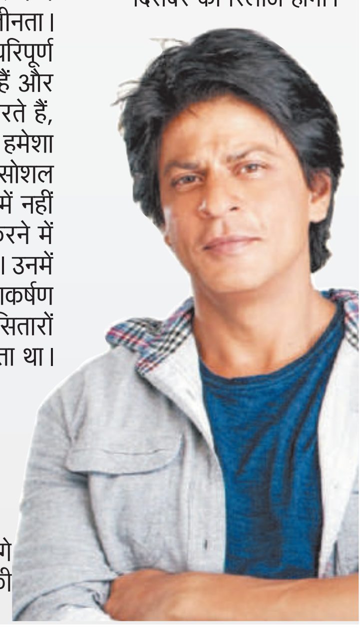

राज शांडिल्य ने एकता कपूर के लीगल नोटिस को बताया बेबुनियाद

'भागम भाग 2' को लेकर निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच कानूनी विवाद पैदा हो गया है। इसके चलते फिल्म की शूटिंग टलने की खबरें हैं। अब निर्देशक ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है। साथ ही लीगल नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

सिर्फ डराने धमकाने का प्रयास

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है। रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है।

अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।'

फिल्म तय समय पर आगे बढ़ रही है

निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म 'भागम भाग 2' अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें।' इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई। निर्देशक ने अपनी तीसरी फिल्म 'सोनम बेवफा है' की स्क्रिप्ट पहले ही पूरी कर ली थी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस से हाल ही में मिले संचार से उन्हें लगा कि पूछताछ दखलंदाजी भरी और अविश्वासपूर्ण थी।

'भागम भाग 2' से गोविंदा की हुई छुट्टी

अक्षय कुमार और परेश रावल की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'भागम भाग 2' 2006 में रिलीज हुई 'भागम भाग' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार गोविंदा की फिल्म से छुट्टी हो गई है। उनकी जगह मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'भागम भाग' का निर्देशन जहां प्रियदर्शन ने किया था, वहीं 'भागम भाग 2' को राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के इसी साल के अंत तक रिलीज होने की संभावनाएं थीं।